सतना
16 जून 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

नाइजीरिया के बेन्यू ...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प का दावा- ईरान और इजराइल का समझौता होगा

अमरीका (एजेंसी)। ईरान ने पिछले 3 दिनों से जारी संघर्ष के बीच रविवार शाम को फिर से इजराइल की ओर कई मिसाइलें दागीं। जवाब में इजराइल ने भी तेहरान में हवाई हमले किए। वहां कई बार धमाकों की आवाज सुनाई दी। आसमान में धुएं का गुबार दिखा। इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %ट्रुथ सोशल% पर दावा किया कि दोनों देशों के बीच जल्द ही समझौता होगा। साथ ही भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाने में फिर से अपनी भूमिका का जिक्र किया। ट्रम्प ने लिखा, %इजराइल और ईरान को डील करनी चाहिए, और

डील होगी, जैसी मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच करवाई थी। मैंने सर्बिया और कोसोवो, मिस्त्र और इथियोपिया सहित कई देशों के बीच टकराव रोका। मैं बहुत कुछ करता हूं, लेकिन क्रेडिट नहीं मिलता। हालांकि, ठीक है, लोग समझते हैं।%इजराइल और ईरान के बीच शुक्रवार रात से टकराव शुरू हुआ था। इजराइली हमले से ईरान में अब तक 138 लोग मारे जा चुके हैं। इनमें 9 न्यूक्लियर साइंटिस्ट और 20 से ज्यादा ईरानी कमांडर्स शामिल हैं। 350 से ज्यादा लोग घायल हैं। वहीं, ईरान ने भी इजराइल पर 150 से ज्यादा मिसाइलें दागी हैं। इसमें 14 इजराइली मारे गए हैं और 380 घायल हैं। इजराइल ने ईरान के तेहरान और बुशहर में ऑयल डिपो और गैस रिफाइनरी समेत कई ठिकानों पर हमले किए हैं।

नाइजीरिया के बेन्यू में 100 लोगों की गोली मारकर हत्या

नाइजीरिया (एजेंसी)। नाइजीरिया के नॉर्थ-सेंट्रल बेन्यू स्टेट के गुमा स्थित येलेवाटा में कम से कम 100

लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। सैकड़ों लोग घायल हैं और दर्जनों लोग अभी भी लापता हैं।ह्यूमन राइट्स ग्रुप एमनेस्टी इंटरनेशनल नाइजीरिया ने फेसबुक पर एक पोस्ट में बताया कि यह हमला शुक्रवार देर रात से शनिवार सुबह तक हुआ। घायलों को अब तक जरूरी मेडिकल सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं।एमनेस्टी के मुताबिक, इस सामूहिक हमले में हमलावरों ने गांव के कई परिवारों को उनके घरों में बंद करके जिंदा जला दिया। लोग इतने बुरी तरह जल गए, उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया।बेन्यू पुलिस ने हमले की पुष्टि की है, लेकिन यह नहीं बताया कि हत्याएं किसने की और कितने लोग मारे गए हैं। स्थानीय लोगों ने न्यूज एजेंसी ह्र्क्क को बताया कि हमले में 100 से अधिक लोगों के मरने की आशंका है।बेन्यू नाइजीरिया के मध्य बेल्ट में है, जिसके उत्तर में बहुसंख्यक मुस्लिम आबादी है और दक्षिण में ज्यादातर ईसाई रहते हैं। दोनों समुदायों के बीच अक्सर जमीन और पानी के लिए लड़ाई होती है।जातीय और धार्मिक बंटवारे के कारण ये झगड़े और भी बदतर हो जाते हैं। खासकर जमीन को लेकर मुस्लिम और ईसाई चरवाहों और किसानों के बीच कॉम्पिटिशन है। चरवाहों को अपने मवेशियों के चरने लिए और किसानों को खेती के लिए जमीन की जरूरत होती है। किसान चरवाहों पर आरोप लगाते हैं कि वे मवेशियों को उनके खेतों में चराते हैं और फसल नष्ट कर देते हैं।चरवाहों का तर्क होता है कि ये जमीन चरागाह के रास्ते हैं, जिन्हें देश की आजादी के पांच साल बाद 1965 में पहली बार कानून बनने के बाद अधिकार मिला था।

30 फीट की ऊंचाई से गिरी 10 साल की बच्ची, मनाली में जिपलाइनिंग के दौरान हादसा हुआ

मनाली (निप्र)। हिमाचल प्रदेश के मनाली का एक वीडियो वायरल है। इसमें जिपलाइनिंग कर रही 10 साल की बच्ची 30 फीट की ऊंचाई से जमीन पर जा गिरी। घटना में गंभीर घायल हुई बच्ची का नाम त्रिशा है। पहले त्रिशा को मनाली के अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से चंडीगढ़ रेफर किया, अब उसका नागपुर के निजी अस्पताल में इलाज जारी है। त्रिशा का परिवार महाराष्ट्र के नागपुर का रहने वाला है। त्रिशा अपने पिता प्रफुल्ल बिजवे अपनी मां के साथ हॉलिडे मनाने मनाली पहुंची थी। 8 जून को जब वो जिपलाइनिंग कर रही थी, तब हादसा हुआ। वीडियो सामने पहाड़ी पर मौजूद शख्स ने रिकॉर्ड किया। वीडियो में नजर आ रहा है कि त्रिशा वायर पर लटकी हुई आती है, जब वो 30 फीट की ऊंचाई पर होती है तभी उसका हुक, जिसके सहारे वो लटकी हुई थी, वो टूट जाता है। त्रिशा चीखती पर जमीन पर आ गिरती है। वीडियो बना रखा कहता सुनाई देता है- ओ... बच्ची गिर गई।

18 घायल, 41 को बचाया गया, सर्च ऑपरेशन जारी

पुणे में इंद्रायणी नदी पर बना पुल टूटा, हादसे में 4 लोगों की मौत

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले के मावल तहसील के कुंडमाला गांव के पास में रविवार को दोपहर 3.30 बजे इंद्रायणी नदी पर बना पुल ढह गया। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के मुताबिक हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 घायल हैं। NDRF की टीमों ने 41 लोगों का रेस्क्यू किया। कुछ लोग अब भी लापता है।

इससे पहले हादसे के बाद घटना स्थल पर पहुंचे विधायक सुनील शेलके ने दावा किया था कि 6 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि CM देवेंद्र फडणवीस और पुणे जोन 2 के DCP ने 2 लोगों की मौत की पुष्टि की है। 2 लोगों की मौत हॉस्पिटल में इलाज के दौरान हुई।

बताया जा रहा है कि यह हादसा उस वक्त हुआ, जब कई लोग नदी के तेज बहाव को देखने के लिए खड़े थे।

पुणे से कुंडमाला की दूरी 30 किमी है। यह जगह मुंबई के रास्ते में एक्सप्रेसवे में एंट्री करने से पहले स्थित है। वीकेंड पर यहां हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह पुल पहले से ही बहुत खराब और जर्जर स्थिति में था। हादसे के समय पुल पर क्षमता से अधिक पर्यटक मौजूद थे। लोग टू-व्हीलर और मोटरसाइकिल ले जा रहे थे। इसी वजह से पुल भार सहन नहीं कर सका।

भोपाल में 'रफ रोड रिबेल्स' में दिखा रफ्तार का जुनून

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के बेरसिया रोड पर स्थित थ्रोटल एरिना में रफ रोड रिबेल्स-भोपाल डर्ट चैलेंज का समापन जबरदस्त उत्साह और रोमांच के बीच हुआ। पूरे दिन चली रेस के बाद सभी वर्गों में विजेताओं की घोषणा कर दी गई। इस शानदार आयोजन में ओवरऑल विनर अकबर अली बने, जिन्होंने सभी राइडर्स को पीछे छोड़ते हुए ट्रैक पर अपनी पकड़ और अनुभव का लोहा मनवाया। आयोजन के प्रमुख एवं द फोटो कम्पनी के डायरेक्टर साद मोहम्मद ने बताया कि इस इवेंट का मकसद सिर्फ रेस नहीं, बल्कि युवाओं को सड़क सुरक्षा और सेफ्टी गियर्स की अहमियत समझाना था। उन्होंने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई दी।

अहमदाबाद प्लेन हादसा- विजय रूपाणी के शव की पहचान हुई

राजकोट में होगा अंतिम संस्कार; अब तक 86 शवों की शिनाख्त, 33 परिजन को सौंपे

मीडिया ऑडीटर, अहमदाबाद (निप्र)। अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी के शव की पहचान हो गई है। रविवार को उनका डीएनए मैच हो गया। परिवार के मुताबिक, राजकोट में सोमवार दोपहर 3 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा।

12 जून को हुए प्लेन क्रैश में मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंच गया है। अहमदाबाद सिविल अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि 230 परिवारों से अबतक संपर्क किया जा चुका है। आज सुबह तक 248 शवों के छ्व सैंपल लिए गए। इनमें से 86 की शिनाख्त हो गई है, 33 शव परिजन को सौंपे गए हैं। उनके डेथ सर्टिफिकेट भी उपलब्ध कराए गए। एम्बुलेंस के जरिए सिक्योरिटी के साथ शवों को उनके गृहनगर पहुंचाया जा रहा है। इसके लिए 230 टीमें बनाई गई हैं, जो मृतकों के परिजनों के सीधे संपर्क में हैं। 192 एम्बुलेंस और वाहन स्टैंडबाय पर हैं। हादसे में जान गंवाने वाले विदेशी नागरिकों में से 11 के परिजन आज अहमदाबाद पहुंच सकते हैं।शवों को रखने के लिए 170 ताबूत बनाने का ऑर्डर दिया गया है। इनमें से करीब 100 ताबूत वडोदरा से अहमदाबाद लाए गए हैं। बाकी के ताबूत बनाने का काम जारी है।

एमपी राजस्थान में प्री-मानसून एक्टिव

दिल्ली-एनसीआर में बारिश, यूपी में बिजली गिरने से 23 की मौत

मीडिया ऑडीटर, नई दिल्ली (निप्र)। दिल्ली सहित पूरे ह्ष्ट्रक्र में शनिवार रात से ही तेज बारिश के साथ गरज-चमक और 80-100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चली। कई इलाकों में पानी भर गया है और पेड़ उखड़ गए हैं। मौसम विभाग ने लोगों से घर में ही रहने की अपील की है। राजस्थान के गंगानगर, चूरू, बीकानेर समेत कई जिलों में दिन के बाद मौसम बदला और तेज बारिश हुई। वहीं, मध्य प्रदेश के कई जिलों में शनिवार को तेज आंधी चली। मौसम विभाग ने रविवार को भोपाल, इंदौर समेत 47 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।

उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में बिजली गिरने से 23 लोगों की मौत हो गई। प्रयागराज में बिजली गिरने से पति-पत्नी और उनकी दो बेटियों की जिंदा जलकर मौत हो गई। घटना उस वक्त हुई, जब पूरा परिवार घर में सो रहा था। शव इस कदर जल चुके थे कि सिर्फ कंकाल बचे।

गुजरात में भी शनिवार शाम से तेज

बारिश का दौर जारी है। राजकोट में बिजली गिरने से एक, दाहोद में दो, मांगरोल में एक और कलोल तालुका में मोकड़ गांव के सरपंच की मौत हो गई।

राज्यस्तरीय आयोजन में वंदना सिंह को मिला 1 लाख का चेक

मुख्यमंत्री ने किया मेधावी श्रमिक पुत्री का सम्मान

एमसीबी/रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायपुर के न्यू सर्किट हाउस, सिविल लाइन में एक गरिमामय आयोजन में श्रमिक परिवारों के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत किया गया था, जिसमें बोर्ड परीक्षा (10वीं एवं 12वीं) में टॉप 10 स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से एक लाख रुपये की सहायता राशि का चेक भेंट कर सम्मानित किया गया। इस विशेष अवसर पर छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री, श्रम मंत्री एवं भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की प्रतिभावान छात्रा कुमारी वंदना

सिंह, पिता श्री रामपाल सिंह, निवासी ग्राम नौढिया, विकासखंड भरतपुर, को भी 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। जिला स्तर से इस सम्मान कार्यक्रम में छात्रा को सफलतापूर्वक सम्मिलित कराने हेतु श्रम विभाग की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही।

श्रम पदाधिकारी सुश्री तनुजा मांझी के कुशल निर्देशन में श्रम निरीक्षक विनय सिंह ठाकुर एवं श्रमिक कल्याण अधिकारी अनिल कुमार साहू ने विशेष योगदान दिया, जिनकी समन्वयात्मक भूमिका के कारण छात्रा को सम्मान समारोह में सम्मिलित कर गौरव प्रदान किया जा सका। इस आयोजन से न केवल छात्रा वंदना सिंह का मनोबल बढ़ा है, बल्कि जिले के अन्य श्रमिक परिवारों के बच्चों को भी आगे बढ़ने और शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा मिली है।

कान्हा टाइगर रिजर्व देश में बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास घोषित

मुंबई (एजेंसी)। मंडला जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व को देश में बाघों का सर्वश्रेष्ठ आवास क्षेत्र घोषित किया है। कान्हा टाइगर रिजर्व का कुल क्षेत्रफल 2074 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें 917.43 वर्ग किलोमीटर कोर क्षेत्र और 1134 वर्ग किलोमीटर में बफर जोन शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के वन अभ्यारण के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। अन्य रिजर्व भी इस दिशा में सकारात्मक पहल करेंगे। कान्हा टाइगर रिजर्व वन्य-जीव सम्पदा संरक्षण में देश में सर्वश्रेष्ठ है। भारतीय वन्य-जीव संस्थान, देहरादून द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार कान्हा टाइगर रिजर्व में शाकाहारी वन्य-जीवों की संख्या 1 लाख 2 हजार 485 है। इनका प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व 69.86 आंका गया है। अभयारण्य का कुल बायोमास 12.6 लाख किलोग्राम 8602.15 किलोग्राम प्रति वर्ग किलोमीटर है। कान्हा टाइगर रिजर्व में चीतल, सांभर, गौर, जंगली सुअर, बार्किंग डियर, नीलगाय और हॉग डियर की बहुतायत है।

केदारनाथ के पास हेलिकॉप्टर क्रैश, 7 की मौत, हेलिकॉप्टर सर्विस रोकी

केदारनाथ (एजेंसी)। केदारनाथ के पास गौरीकुंड में रविवार सुबह करीब 5ः20 बजे हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इसमें पायलट समेत सभी 7 यात्रियों की मौत हो गई। मरने वालों में महाराष्ट्र का 2 साल का बच्चा भी शामिल है।हेलिकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ मंदिर से गौरीकुंड के लिए उड़ा था। प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि घाटी में बादल थे और विजिबिलिटी ठीक नहीं थी, फिर भी हेलीकॉप्टर उड़ाया गया। यह आर्यन एविएशन कंपनी का था।हादसे के बाद चार धाम यात्रा हेलिकॉप्टर सर्विस पर रोक लगा दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हेली सर्विस के संचालन को लेकर सख्त नियम बनाए जाएंगे। इसमें हेलिकॉप्टर की तकनीकी स्थिति की जांच और उड़ान से पूर्व मौसम की सटीक जानकारी लेना अनिवार्य होगा।इधर, जंगलचट्टी के पास खड्ड में मलबा और पत्थर गिरने से श्री बाबा केदारनाथ धाम जाने वाला रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम जाने वाले रूट को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।पैदल मार्ग से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं, जिनमें सड़क क्षतिग्रस्त होने से पहले केदारनाथ धाम के लिए रवाना हो चुके श्रद्धालु भी शामिल हैं, उनकी प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

हेलिकॉप्टर में यूपी-महाराष्ट्र के 2-2 और उत्तराखंड, गुजरात के 1-1 यात्री थे। पायलट राजवीर सिंह चौहान जयपुर, राजस्थान के रहने वाले थे। गौरीकुंड से ह्यष्ठक्रस्न और स्ष्ठक्रस्न की रेस्क्यू टीमों को भेजा गया है। ढ्ढत्र गढ़वाल राजीव स्वरूप ने बताया कि आग में झुलसने की वजह से डेड बॉडी को

आईडेंटिफाई करने में मुश्किल हो रही है। मृतकों का छ्व टेस्ट होगा, उसके बाद ही शव परिजन को सौंपेंगे। हेलिकॉप्टर क्रैश में जान गंवाने वालों की जानकारी पायलट राजवीर सिंह (जयपुर, राजस्थान), विक्रम सिंह रावत (ऊखीमठ, उत्तराखंड), विनोद देवी (उत्तर प्रदेश), तृष्टि सिंह (उत्तर प्रदेश), राजकुमार सुरेश (गुजरात), श्रद्धा राजकुमार जायसवाल (महाराष्ट्र), काशी (महाराष्ट्र) शामिल हैं।

हादसे को लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा- %रुद्रप्रयाग में हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की दुखद खबर मिली है। एसडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन एवं अन्य रेस्क्यू दल राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे हैं। सभी यात्रियों के सकुशल होने की कामना करता हूं। जंगलचट्टी के पास गधेरे में मलबा पत्थर गिरने से केदारनाथ धाम जाने वाला मार्ग टूट गया है। इसके बाद प्रशासन ने सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम तक का मार्ग अगली सूचना तक बंद कर दिया है।

प्रदेश में आरटीई प्रवेश प्रक्रिया का दूसरा चरण 16 जून से

भोपाल , (एजेंसी)। निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम में कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश का प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया 10 जून 2025 को पूरी हो चुकी है। प्रथम चरण के बाद जिन स्कूलों में सीटें रिक्त रह गई हैं, ऐसे स्कूलों को उनमें रिक्त सीटों सहित द्वितीय चरण प्रवेश प्रक्रिया के लिए पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है। आवेदकों द्वारा स्कूलों के च्वाइस को अपडेट किये जाने का कार्य 16 जून से 20 जून तक किया जा सकेगा। द्वितीय चरण के लिए ऑनलाइन लाटरी 25 जून 2025 को होगी। आवंटन के बाद स्कूल में प्रवेश एवं संबंधित स्कूल द्वारा मोबाइल ऐप से एडमीशन रिपोर्टिंग 25 जून से 30 जून 2025 तक की जा सकेगी। द्वितीय चरण के लिए नवीन आवेदन पंजीयन नहीं होगा और पुनः सत्यापन प्रक्रिया भी नहीं होगी। वह आवेदक जिन्होंने प्रथम चरण में आवेदन किया था और सत्यापन के बाद पात्र पाए गए थे, उनका प्रथम चरण में कोई स्कूल आवंटित नहीं हुआ था। वह द्वितीय चरण के लिए स्कूल की च्वाइस अपडेट कर सकते हैं। जिन आवेदकों को प्रथम चरण में स्कूल आवंटन हुआ है, लेकिन स्कूल पसंद नहीं आने के कारण आवंटित स्कूल में एडमीशन नहीं लिया है, वह द्वितीय चरण में च्वाइस अपडेट कर सकते हैं। जानकारी स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर और सभी जिला परियोजना समन्वयक को भेजी गई हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी जिला राज्य केंद्र से प्राप्त की जा सकती है।

डुप्लीकेट और बिना मोबाइल नंबर वाली 1.65 लाख समग्र आईडी डिलीट

भोपाल , (एजेंसी)। फर्जीवाड़ा रोकने के लिए समग्र आईडी को डिलीट किया जाना शुरू हो गया है। अब तक 1.65 लाख डुप्लीकेट और बिना पता व मोबाइल नंबर वाली समग्र आईडी को हटाया जा चुका है। वर्षों से इनका उपयोग नहीं किया जा रहा था। इस संबंध में 'समग्र फर्जीवाड़ा, 25 लाख की शहर आबादी...समग्र आईडी बन गईं 39 लाख, किसी में नाम पता नहीं तो किसी में फोन नंबर नहीं' प्रकाशित किया था। इसके बाद संभागायुक्त ने सभी जोनल अधिकारियों को बुलाकर बैठक ली थी। टेक्निकल टीम को भी बुलाया गया था। जोन अधिकारियों को डुप्लीकेट और बिना पता व मोबाइल नंबर वाली आईडी डिलीट करने के निर्देश दिए थे।अब तक डिलीट की आईडी पर किसी ने आपत्ति नहीं की है। इन्हें जोन कार्यालय के रिकॉर्ड में रखा जाएगा। अगर कोई आता है, तो उसे दोबारा उपयोग में लिया जा सकेगा। ऐसी आईडी नहीं हटाई जा रही है, जिन पर कभी किसी योजना का लाभ लिया गया हो।

अब फॉरेस्ट गार्ड भर्ती में भी गड़बड़ी की आशंका

भोपाल ,(एजेंसी)। पुलिस आरक्षक भर्ती में हुए फर्जीवाड़े की जांच अब फॉरेस्ट गार्ड भर्ती तक पहुंच गई है। जांच कर रही टीमों को फॉरेस्ट गार्ड परीक्षा में भी गड़बड़ी के संकेत मिले हैं। मप्र कर्मचारी चयन मंडल (एमपी-ईएसबी) ने कुछ असामान्य पैटर्न पकड़े हैं। इसके आधार पर 113 सफल उम्मीदवारों का रिजल्ट होल्ड कर दिया गया है। वर्ष 2022 में वन विभाग ने 1670 वन रक्षक और क्षेत्र रक्षक (कार्यपालिक) पदों के लिए भर्ती निकाली थी। 25 मई से 20 जून 2023 के बीच ऑनलाइन परीक्षा हुई। लगभग एक लाख उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए। 13 दिसंबर 2024 को अंतिम रिजल्ट जारी किया गया। ईएसबी ने अब तक वन विभाग को 1340 उम्मीदवारों की सूची भेजी है। इनमें से 1173 उम्मीदवारों की नियुक्ति हो चुकी है। 167 उम्मीदवार ज्वाइन नहीं कर पाए हैं, इसलिए उनका वेरिफिकेशन भी नहीं हुआ।

अगस्त-2025 तक आएगी प्रदेश की स्पेस-टेक पॉलिसी

भोपाल , (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में 'एमपी-टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव' 2025 में एक डेडिकेटेड स्पेस-टेक नीति बनाने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रदेश को भविष्य के स्पेस टेक्नोलॉजी और नवाचार के केंद्र के रूप में विकसित करने की सोच को मूर्त रूप देने की दिशा में आगे बढ़ने के उद्देश्य से विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर में एमपी स्पेस-टेक नीति परामर्श संभावनाएँ और चुनौतियाँ विषय पर विचार-विमर्श हुआ। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एसीएस श्री संजय दुबे ने बताया कि प्रदेश की स्पेस-टेक पॉलिसी अगस्त 2025 तक जारी कर दी जायेगी। इसके लिये रोडमैप तैयार किया जा चुका है।

एमपी स्पेस-टेक नीति परामर्श संभावनाएँ और चुनौतियाँ विषय पर हुए संवाद में 30 से अधिक प्रमुख विशेषज्ञ, शोध संस्थान, स्टार्ट-अप प्रतिनिधि, रक्षा और तकनीकी क्षेत्र के अधिकारियों तथा शैक्षणिक संस्थानों के विशेषज्ञों ने परामर्श दिया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एसीएस श्री दुबे ने आईआईटी इंदौर में हुए इस संवाद को अत्यंत सार्थक बताया।उन्होंने कहा कि हमारी स्पेस-टेक नीति आधारभूत संरचना या नीतिगत प्रोत्साहनों तक सीमित नहीं रहेगी। यह नीति में संबंधित नवाचारों को प्रोत्साहन, प्रतिभाओं को राज्य में बनाए रखने और प्रदेश को स्पेस-टेक के क्षेत्र में एक सशक्त दावेदार के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

स्पेस-टेक पर हुए संवाद में आईईटी इंदौर के शोध और विकास के डीन प्रो. अभिरूप दत्ता और निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा, कि स्पेस-टेक केवल उपग्रहों तक ही सीमित नहीं है, यह इंजीनियरिंग, मटेरियल साइंस, डाटा मैनेजमेंट और राष्ट्रीय क्षमताओं का संगम है। उज्जैन में ऑप्टिक्स एवं ऑप्टिकल कम्युनिकेशन क्लस्टर की स्थापना, क्षेत्रीय डाटा सेंटर और सैटेलाइट ग्राउंड स्टेशन का विकास, पेलोड और कम्पोनेंट निर्माण के लिए मेक-इन-इंडिया को बढ़ावा देना, डोमेन-स्पेसिफिक स्किलिंग, स्पेस सिस्टम्स में साइबर सुरक्षा और नवाचार को सहयोग दिये जाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। विशेषज्ञों ने सपेस-टेक पॉलिसी निर्माण में रिमोट सेंसिंग और कोर स्पेस-टेक के लिए अलग-अलग दृष्टिकोण अपनाये जाने पर जोर दिया।

स्पेस-टेक पॉलिसी पर हुए विचार-विमर्श के परामर्श सत्र में इसरो-इन-स्पेस एमसीएफ भोपाल, एनआरएससी, डीआरडीओ-सीएआईआर, सी-डॉट, राजा रमन्ना उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र, मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेली-कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और आईआईटी इंदौर के प्रतिनिधियों एवं एसआईए-इंडिया, ट्रेड प्रमोशन काउंसिल फॉर जियो-स्पेशियल एंड स्पेस इंडस्ट्री जैसे निकाय और कई नवाचार स्टार्ट-अप्स के प्रतिनिधि शामिल हुये। निजी संगठनों में अभ्युदय, स्पेक्ट्रागेज़, सोअरिंग एयरोटेक, अफर्मिटी कॉर्प और ओमएग्री जैसे संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आरटीअे के तहत एमपी में दूसरे चरण के एडमिशन

भोपाल , (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में मुफ्त प्रवेश के लिए दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य शिक्षा केंद्र अब उन बच्चों के माता-पिता को मौका दे रहा है, जिन्हें पहले चरण की लॉटरी में कोई स्कूल आवंटित नहीं हो पाया था या जिन्हें आवंटित स्कूल पसंद नहीं आया था। दूसरे चरण के लिए चॉइस फिलिंग 16 जून से 20 जून तक की जा सकेगी, और इसके बाद 25 जून को राज्य शिक्षा केंद्र लॉटरी निकालेगा। राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने सभी कलेक्टरों और जिला समन्वयकों को निर्देश जारी किए हैं। जिसमें कहा है कि दूसरे चरण के लिए नए आवेदन जमा नहीं होंगे। इसमें सिर्फ वे आवेदक शामिल हो सकेंगे जिन्होंने पहले चरण में आवेदन किया था। जिनका सत्यापन हो चुका था और वे पात्र पाए गए थे, लेकिन उन्हें पहले राउंड में कोई स्कूल आवंटित नहीं हुआ था। इसके अलावा, जिन आवेदकों को पहले राउंड में स्कूल आवंटित हो गया था, लेकिन स्कूल पसंद न आने के कारण उन्होंने दाखिला नहीं लिया था, वे भी दूसरे राउंड के लिए अपनी स्कूलों की पसंद (चॉइस) को अपडेट कर सकेंगे। इस चरण में दोबारा सत्यापन की प्रक्रिया भी नहीं होगी। राज्य शिक्षा केंद्र का लक्ष्य है कि आरटीई के माध्यम से 1 लाख 66 हज़ार 751 बच्चों का निजी स्कूलों में दाखिला कराया जाए। इनमें 87,021 लड़के और 79,730 लड़कियां शामिल हैं। इस साल प्रदेश के 18 हज़ार 422 पात्र निजी स्कूलों की कुल 93,822 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत, गैर-अनुदान प्राप्त निजी विद्यालयों में वंचित समूह (सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े) और कमजोर वर्ग के बच्चों को कक्षा-1 या प्री-स्कूल की पहली प्रवेशित कक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत सीटों पर मुफ्त प्रवेश देने का प्रावधान है।

मध्यप्रदेश में इस प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए आवेदन और स्कूल आवंटन ऑनलाइन तरीके से किया जाता है। जिससे ज्यादा से ज्यादा बच्चों को शिक्षा का अधिकार मिल सके। यह दूसरा चरण उन बच्चों के लिए एक और अवसर है

भोपाल एस जीनोम सीक्वेंसिंग से बताएगा वैरिएंट का नाम

भोपाल ,(एजेंसी)। कोरोना के नए मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। लेकिन, भोपाल की हवा में कौन सा वैरिएंट है, जो लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है, इसका जवाब अभी किसी के पास नहीं है। इसके लिए,एम्स भोपाल में जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए सैंपल का पहला बैच लगाया गया है। जिसकी रिपोर्ट सोमवार तक आने की संभावना है।

इधर, प्रदेश में कोरोना के 27 नए मामले सामने आए हैं। यह इस साल एक दिन में मिले सबसे ज्यादा केस हैं। अब राज्य में कुल पॉजिटिव मामलों की संख्या अब 169 हो गई है, जिसमें से 120 सक्रिय (एक्टिव) मामले हैं। 46 लोग ठीक हो चुके हैं, लेकिन इस साल अब तक 3 मौतें भी दर्ज की गई हैं। इसके अलावा प्रदेश की राजधानी में कोरोना के 8 एक्टिव केस हैं। जिसमें से दो नए केस शुक्रवार को सामने आए।

सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि जब प्रदेश में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, तब भी सरकारी स्तर पर कोरोना की सैंपलिंग बंद है। ऐसे में यह सवाल खड़ा होता है कि बिना जांच के आखिर संक्रमण की सही तस्वीर कैसे सामने आएगी? हालांकि, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग केंद्र ने सरकारी अस्पतालों में जल्द

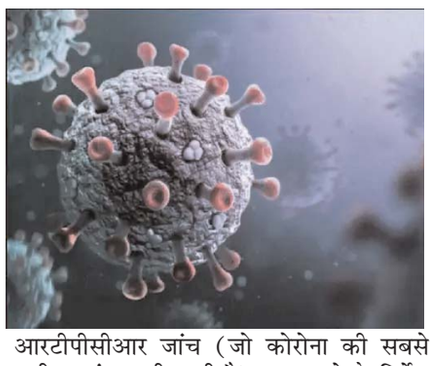

आरटीपीसीआर जांच (जो कोरोना की सबसे सटीक जांच मानी जाती है) शुरू करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन यह कब तक शुरू होगी, यह अभी साफ नहीं हो सका है।

जब तक जीनोम सीक्वेंसिंग की रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक यह कहना मुश्किल है कि यह किस वैरिएंट का हमला है। क्या यह कोई नया और अधिक खतरनाक स्ट्रेन है या फिर पुराना वैरिएंट है। इस बीच हाल ही में सरकारी अस्पतालों में मॉकड्रिल हुई। जिसमें कई अस्पतालों के ऑक्सीजन प्लांट खराब मिले। इस अनिश्चितता के माहौल में, यह लापरवाही चिंताजनक है।

पॉलिसी में 20 लाख तक की ईवी टैक्स फ्री

भोपाल। ढाई साल के लंबे अंतराल के बाद मप्र की नई ईवी पॉलिसी घोषित हुई। इसमें 20 लाख रुपए तक की इलेक्ट्रिक कारों को रजिस्ट्रेशन व मोटर व्हीकल टैक्स से छूट दी गई है। लेकिन, परिवहन नीति में हुई एक गलती से सिर्फ 18 लाख रुपए तक की ईवी पर ही इसका लाभ मिल पा रहा है। एक महीने बाद भी ये मामला सुलझ नहीं सका है।

मप्र की नई ईवी पॉलिसी 27 मार्च को नोटिफाई हुई। इसके बाद परिवहन विभाग ने 9 अप्रैल को इलेक्ट्रिक वाहनों पर डिस्काउंट लागू करने की नीति जारी की। यहीं मामला उलझ गया। नगरीय विकास विभाग ने फैक्ट्री प्राइस पर छूट देने की बात कही, जबकि परिवहन विभाग ने एक्स-शोरूम प्राइस पर। दोनों दामों में अंतर है, जिससे ऑटोमोबाइल डीलर असमंजस में हैं। शिकायत परिवहन सचिव मनीष सिंह और नगरीय विकास विभाग के एसीएस संजय शुक्ल तक पहुंची है।इस बीच 27 मार्च से 9 अप्रैल के बीच करीब 200 लोगों ने इलेक्ट्रिक कार खरीदकर रजिस्ट्रेशन कराया। अब इनका करीब ढाई करोड़ रुपए का डिस्काउंट अटका हुआ है।

डीलर बोले- एक्स-शोरूम प्राइस में 20 लाख से ज्यादा हो जाती है कीमत... फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के भोपाल यूनिट अध्यक्ष आशीष पांडे ने कहा, ईवी पालिसी में 20 लाख तक की (फैक्ट्री प्राइस) कारें टैक्स-फ्री हैं। पर रजिस्ट्रेशन में एक्स-शोरूम प्राइस ली जाती है यानी टैक्स जोड़कर। ऐसा होने पर 20 लाख की कार 28 प्रतिशत जीएसटी (5.60 लाख) और डीलर कमीशन 5 प्रतिशत (1 लाख) मिलाकर करीब 27 लाख कीमत आती है जो कर दायरे से बाहर है। दोनों पालिसी साथ आनी चाहिए थी। वहीं जीएसटी एक्सपर्ट मुकुल शर्मा का कहना है कि इलेक्ट्रिक कारों पर 5 प्रतिशत ही जीएसटी है, 28 न्न जीएसटी पेट्रोल-डीजल कारों पर है। इन पर 6-22 प्रतिशत कंपनसेशन सेस भी लगता है। ईवी पर छूट है। विभाग शुरू से साथ फिर भी गफलत = 2023 में शासन ने ईवी पॉलिसी बनाने के लिए जो समिति गठित की, उसमें परिवहन और नगरीय विकास के विभाग प्रमुखों को रखा था।

भोपाल में अब ड्रोन से होगी छतों की जांच

भोपाल। मानसून में मच्छरों से होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसे रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने हाईटेक प्लान बनाया है। भोपाल के 12 वार्डों में अब ड्रोन से निगरानी होगी। छतों, बंद टंकियों, खाली प्लॉट्स और जलजमाव वाले इलाकों में मच्छरों के लार्वा की पहचान की जाएगी। लार्वा मिलने पर भवन मालिक पर चालान किया जाएगा। वहीं ड्रोन से ही एंटी लर्वा ड्रग का छिड़काव भी किया जाएगा। यह योजना इंदौर में सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद लागू की जा रही है। इंदौर में ड्रोन से हाई रिस्क क्षेत्रों की मैपिंग और दवा का छिड़काव किया गया था। वहां डेंगू के मामलों में 60 प्रतिशत तक की कमी आई। यही मॉडल भोपाल और ग्वालियर में लागू होगा। भोपाल में मलेरिया विभाग में स्टाफ की कमी है। ग्राउंड टीम हर जगह नहीं पहुंच पाती। ऐसे में ड्रोन से दवा का छिड़काव किया जाएगा। छिड़काव के बाद एआई सिस्टम दोबारा मैपिंग करेगा। इससे लार्वा खत्म होने की पुष्टि होगी। अभियान पांच चरणों में चलेगा। पहले जीपीएस से हाई रिस्क क्षेत्रों की पहचान होगी। फिर हाई रिजोल्यूशन तस्वीरों से लार्वा साइट्स की इमेज कैप्चर की जाएगी। इसके बाद डेटा नगर निगम और मलेरिया टीम को भेजा जाएगा। टीम मौके पर जाकर लार्वा खत्म करेगी। जरूरत पड़ने पर ड्रोन से दवा का छिड़काव किया जाएगा।

भोपाल स्टेशन पर प्लेटफॉर्म-1 की ओर फूड प्लाजा का काम शुरू

भोपाल , (एजेंसी)। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 की ओर नई बिल्डिंग में फूड प्लाजा के लिए सिविल वर्क शुरू हो गया है। इसके बाद भी उसकी शुरुआत में तीन महीने का समय लगेगा। अब भी प्लेटफॉर्म नंबर-1 की ओर यात्रियों को अच्छी क्वालिटी वाला खाना नहीं मिल पा रहा है। केवल प्लेटफॉर्म के भीतर जाने पर रेलवे का रिफ्रेशमेंट रूम जरूर है, जहां सामान्य दर्जे का खाना मिलता है। दो साल पहले नई बिल्डिंग के शुरू होने के पहले ही बाहर की तरफ मौजूद फूड प्लाजा को बंद कर दिया गया था। लाइसेंसी वेंडर की लाइसेंस अवधि पूरी होने के कारण उसे बंद किया गया था। सबसे खास बात यह भी है कि इस फूड प्लाजा को पहले से

कम स्पेस में शुरू किया जाएगा। पहले यह बाहर की ओर था, तो उसमें स्टेशन आने-जाने वालों के अतिरिक्त अन्य कोई व्यक्ति भी खाने-पीने का सामान खरीद कर खा लेता था। लेकिन अब भीतर की तरफ फूड प्लाजा खोले जाने से बाहरी लोगों को उसकी आसानी से जानकारी भी नहीं मिल सकेगी। बताया जाता है कि फूड प्लाजा के देरी से शुरू होने का कारण इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन (आईआरसीटीसी) को पिछले दो साल के दौरान तीन बार की टेंडर प्रक्रिया में भी कोई कांट्रेक्टर नहीं मिलना रहा। रेल मंडल के सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया का कहना है कि फूड प्लाजा को अच्छी लोकेशन पर स्पेस दी गई है। जल्द से जल्द उसे शुरू करवाया जाएगा। प्लेटफॉर्म नंबर-1 की तरफ नई बिल्डिंग में एग्जीक्यूटिव लाउंज भी जल्द शुरू करने की तैयारी चल रही है। यात्रियों को छोटी मीटिंग व कुछ घंटे समय बिताने के लिए एग्जीक्यूटिव लाउंज इस ओर शुरू किया जा रहा है। यहां यात्रियों को स्नैक्स, चाय कॉफी आदि सर्व करने की सुविधा रहेगी। रेलवे ने स्टेशन के बाहर की तरफ छोटी-मोटी पार्टी कोच के भीतर आयोजित करने के लिए प्लेटफॉर्म 6 की ओर रेल कोच रेस्टोरेंट शुरू किया था।

इसे अब प्लेटफॉर्म नंबर-1 की ओर पुरानी बिल्डिंग के सामने शिफ्ट किया जा रहा है।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में 21 दिवसीय कार्यशाला

भोपाल , (एजेंसी)। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में चल रही 21 दिवसीय कार्यशाला के 14वें दिन काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से आए देश के जाने-माने प्रोफेसर सदाशिव कुमार द्विवेदी ने भावप्रकाश ग्रंथ के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस प्राचीन ग्रंथ में जीवविज्ञान के साथ-साथ भारतीय कला का भी विशेष रूप से वर्णन किया गया है।

प्रोफेसर द्विवेदी ने कहा कि भावप्रकाश के 7वें अधिकार में जीव के निर्माण की पूरी प्रक्रिया समझाई गई है। जिसे आज के मेडिकल साइंस की भाषा में भी समझा जा सकता है। उन्होंने कहा, जब माता के गर्भ में जीव का निर्माण होता है, तो उसके शरीर में नाड़ी, प्राण, अपान, व्यान, उदान आदि अंगों की स्थिति कैसे बनती है, इसकी पूरी व्याख्या इस ग्रंथ में की गई है। इसके अलावा, इसमें धातु विज्ञान का भी उल्लेख है, जो जीव निर्माण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह जानकारी चिकित्सा के क्षेत्र में शोध कर रहे लोगों के लिए भी बेहद उपयोगी है।

प्रोफेसर द्विवेदी ने बताया कि भावप्रकाश के लेखक शारदातनय विभिन्न विषयों के ज्ञाता थे। उन्होंने अपने ग्रंथ में नाट्य सिद्धांतों के साथ-साथ विज्ञान के तत्वों को भी स्थापित कर भारतीय ज्ञान परंपरा को उजागर करने का सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज ऐसे दुर्लभ ग्रंथों पर विचार-विमर्श और अनुसंधान की बहुत आवश्यकता है।

प्रोफेसर द्विवेदी ने यह भी कहा कि भावप्रकाश को पूरी तरह से समझने के लिए संस्कृत का ज्ञान होना बहुत जरूरी है। उन्होंने केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि ज्ञानभूमि भोपाल, जो राजा भोज की धरती रही है, वहां इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन कर विश्वविद्यालय ने देशभर से आए छात्रों को भावप्रकाश का अध्ययन कराने का एक बड़ा और सराहनीय कार्य किया है। यह कार्यशाला भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करने और उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रेलवे ने ट्रैक पर ब्रिज बनाया, पीडब्ल्यूडी ने वैसे ही कनेक्ट कर दिया

भोपाल ,(एजेंसी)। ऐशबाग पर इंजीनियरिंग के नमूने के रूप में बना 90 डिग्री टर्न होने वाला आरओबी निर्माण एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी का नतीजा है। रेलवे ने अपने मापदंडों के अनुसार ट्रैक के ऊपर ब्रिज बना दिया और पीडब्ल्यूडी ने जैसी साइट मिली वैसा कनेक्ट कर दिया।

इस आरओबी की तीन बार डिजाइन बन चुकी है। पीडब्ल्यूडी और रेलवे के इंजीनियरों ने कई बार साइट का एक साथ निरीक्षण किया। सबने अपनी डिजाइन-ड्राइंग आपस में शेयर की। पत्राचार भी हुआ, लेकिन जो ब्रिज बना अपनी डिजाइन को लेकर देशभर में मजाक का विषय बना है। आरओबी की इंजीनियरिंग को लेकर इतनी चर्चा के बाद भी निर्माण एजेंसियों के इंजीनियर इस आरओबी के बारे में कुछ भी बात करने को राजी नहीं हैं। भास्कर ने एक बार फिर पड़ताल की तो सामने आया कि रेलवे और पीडब्ल्यूडी के बीच ब्रिज के पिलर की कैप (जिसके ऊपर स्लैब को रखा जाता है) के एंगल पर सहमति नहीं बन सकी। रेलवे ने मापदंडों का हवाला देते हुए पिलर की कैप को सीधा रखा, जबकि पीडब्ल्यूडी इसे 30 डिग्री पर रखना चाहता था। उसने अप्रैल 2023 में एक पत्र भी लिखा था। सहमति भी बनी थी।

पिछले साल सितंबर में भी पीडब्ल्यूडी ने रेलवे को इस बारे में पत्र लिखा था। एनएचएआई के रीजनल ऑफिसर एसके सिंह कहते हैं, हमने कोई लिखित रिपोर्ट नहीं दी है। लेकिन, जो मौके पर स्थिति है उसके हिसाब से यह आरओबी तो बनाया ही नहीं जाना चाहिए था।

उन्होंने सुझाव दिया है कि इस आरओबी का उपयोग केवल लोकल ट्रैफिक के लिए किया जाए। सिंह ने कहा कि रेलवे अपने सुरक्षा के मापदंडों के कारण आरडीएसओ द्वारा तय डिजाइन से अलग अनुमति नहीं देता है।

शिवपुरी-पोहरी मार्ग पर आर.ओ.बी. निर्माण के तहत दोषपूर्ण स्लैब किया गया डिस्मेंटल

भोपाल ,(एजेंसी)। लोक निर्माण विभाग ने गुणवत्ता को अपना मूल मंत्र बनाया है और क्वालिटी में थोड़ी भी कमी को गंभीरता से लिया है,इसी के चलते शिवपुरी-पोहरी मार्ग पर आर.ओ.बी. निर्माण के तहत एक दिन पूर्व ही डाला गया दोषपूर्ण स्लैब को इंजीनियर्स ने तत्काल डिस्मेंटल कराया है। उल्लेखनीय है कि शिवपुरी-पोहरी मार्ग पर रेल्वे क्रासिंग क्रमांक 59 सी पर आर.ओ.बी. का निर्माण कार्य प्रगतिशील है।आर ओ बी में पीयर नम्बर 15 से पीयर नम्बर 16 तक की स्लैब का निर्माण कार्य 13 जून की सुबह संपन्न किया गया था। इसी दिन शाम 07:00 बजे अनुविभागीय अधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान स्लैब में क्रैक्स पाए गए। तत्पश्चात ठेकेदार को लिखित रूप से स्लैब तोड़ने के निर्देश जारी किए गए। निर्देशानुसार, ठेकेदार द्वारा विभाग के उपयंत्री की उपस्थिति में 14 जून की रात्रि 12:00 बजे स्लैब को डिस्मेंटल किया गया।यह कार्रवाई गुणवत्ता मानकों और सुरक्षा प्रावधानों को सुनिश्चित करते हुए की गई है। यह स्लैब एक दिन पहले ही कास्ट किया गया था। कंक्रीट अभी गीला और कच्चा भी था इसलिए स्लैब को गिराने में कोई समस्या नहीं हुई।

रीवा में 27 जून को निकाली जाएगी भव्य जगन्नाथ यात्रा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में 27 जून को भव्य जगन्नाथ यात्रा निकाली जाएगी। रीवा में भगवान जगन्नाथ की यह 361वीं रथ यात्रा होगी। यात्रा परंपरा के अनुसार रीवा के प्रसिद्द लक्ष्मण बाग मंदिर से शाम 4 बजे प्रारंभ होगी। वहां से रथ यात्रा किला आएगी, जहां महाराजा रीवा परंपरागत तरीके से भगवान का पूजन करेंगे। इसके बाद भगवान जगन्नानाथ नगर भ्रमण पर निकालेंगे। यह यात्रा कोतवाली, फोर्ट रोड, स्टेच्यू चौराहा, जय स्तंभ चौक, गायत्री मंदिर मार्ग होते हुए शिल्पी प्लाजा पहुंचेगी। यहां से रथ यात्रा मानस भवन पहुंचेगी, जहां भगवान रात्रि में विश्राम करेंगे। अगले दिन भगवान पुनः लक्ष्मण बाग मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे। इस दौरान यात्रा सिरमौर चौराहा, अमहिया होते हुए लक्ष्मण बाग मंदिर पहुंचेगी। यात्रा को लेकर रीवा महाराजा व पूर्व मंत्री पुष्पराज सिंह ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को और भव्य बनाया जायेगा साथ ही इसे पर्यटन से जोड़ने का भी प्रयास किया जायेगा।

रविवार को महाराज पुष्पराज सिंह की अध्यक्षता में भगवान श्री जगन्नाथ जी की वार्षिक रथ यात्रा के सफल आयोजन हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में शहर के प्रबुद्ध नागरिकों, धर्मगुरुओं एवं आयोजकों ने भाग लिया। बैठक में निम्नलिखित बिंदुओं पर सहमति बनी-

रथ मार्ग की मरम्मत: बिछिया से किला मार्ग के बीच सीवेज लाइन के निर्माण कार्य से मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे 361 वर्ष पुराने ऐतिहासिक रथ को क्षति पहुँचने की आशंका है। अतः इस मार्ग को तुरंत दुरुस्त किया जाए।

यात्रा का नामकरण: इस आयोजन को अब से "जगन्नाथ रथ यात्रा - रीवा" के नाम से प्रचारित किया जाएगा।

भव्यता की योजना: यह रथ यात्रा अब तक की सर्वश्रेष्ठ और भव्यतम यात्रा बने, इसके लिए विशेष योजना बनाई गई है।

निर्धारित रूट मैप: यात्रा का मार्ग निम्नानुसार तय किया गया है- किला, उपरहटी, सिटी कोतवाली, फोर्ट रोड से मानस भवन।

समय निर्धारण: यात्रा दिनांक 27 जून 2025 को शाम 4 बजे प्रारंभ होगी।

इतिहास: यह रथ यात्रा सर्वप्रथम वर्ष 1664 में महाराज भावदेव सिंह जूदेव जी द्वारा प्रारंभ की गई थी।

बैठक में मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु महाराज पुष्पराज सिंह की उपस्थिति रही। इस दौरान प्रमुख रूप से प्रभाकर चतुर्वेदी, दीनानाथ शास्त्री, महेंद्र अवधिया, राकेश सिंह, शिवाली सिंह, प्रद्युम्न सिंह, मनीष सिंह मलकानी, अलका तिवारी, रमेश गौतम, मुकेश तिवारी, कमता तिवारी, असद खान, महेन्द्र शुक्ला, विक्रम द्विवेदी सहित अन्य गणमान्यजन शामिल रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित करेंगे राशि

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार 16 जून को जबलपुर जिले के बरगी में आयोजित कार्यक्र म में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, संबल योजना और सिलेंडर रिफिलिंग योजना में हितग्राहियों के खातों में जून माह की राशि अंतरित करेंगे। कार्यक्र म में मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश की एक करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना की जून माह की किस्त 1551 करोड़ 44 लाख रूपये अंतरित करेंगे। लाड़ली बहनों को मिलने वाली यह 25वीं किस्त है। योजना में प्रत्येक लाड़ली बहना को प्रत्येक माह 1250 रूपये की राशि उनके खातों में अंतरित की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्र म में 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रूपए की राशि अंतरित करेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री 27 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग की 39.14 करोड़ रुपए की राशि भी उनके खातों में सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री डॉ. यादव संबल योजना में 6821 श्रमिक परिवारों की 150 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्र म में विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ वितरण करने के साथ ही अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे।

प्रदेश में आरटीई प्रवेश प्रक्रिया का दूसरा चरण 16 जून से

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम में कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश का प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रि या 10 जून 2025 को पूरी हो चुकी है। प्रथम चरण के बाद जिन स्कूलों में सीटें रिक्त रह गई हैं, ऐसे स्कूलों को उनमें रिक्त सीटों सहित द्वितीय चरण प्रवेश प्रक्रि या के लिए पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है। आवेदकों द्वारा स्कूलों के च्वाइस को अपडेट किये जाने का कार्य 16 जून से 20 जून तक किया जा सकेगा। द्वितीय चरण के लिए ऑनलाइन लाटरी 25 जून 2025 को होगी। आवंटन के बाद स्कूल में प्रवेश एवं संबंधित स्कूल द्वारा मोबाइल ऐप से एडमीशन रिपोर्टिंग 25 जून से 30 जून 2025 तक की जा सकेगी। द्वितीय चरण के लिए नवीन आवेदन पंजीयन नहीं होगा और पुनः सत्यापन प्रक्रि या भी नहीं होगी। वह आवेदक जिन्होंने प्रथम चरण में आवेदन किया था और सत्यापन के बाद पात्र पाए गए थे, उनका प्रथम चरण में कोई स्कूल आवंटित नहीं हुआ था। वह द्वितीय चरण के लिए स्कूल की च्वाइस अपडेट कर सकते हैं। जिन आवेदकों को प्रथम चरण में स्कूल आवंटन हुआ है, लेकिन स्कूल पसंद नहीं आने के कारण आवंटित स्कूल में एडमीशन नहीं लिया है, वह द्वितीय चरण में च्वाइस अपडेट कर सकते हैं। जानकारी स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर और सभी जिला परियोजना समन्वयक को भेजी गई हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी जिला राज्य केंद्र से प्राप्त की जा सकती है।

शहर में अघोषित बिजली कटौती से जनता परेशान : देव पाण्डेय

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सामाजिक कार्यकर्ता देव पाण्डेय ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही अघोषित बिजली कटौती को बिजली विभाग की मनमानी बताते हुए कहा कि जहां एक ओर कॉलेज में परीक्षा चल रही है कॉलेज के छात्र छात्राओं को प्रोजेक्ट तैयार करने में काफ़ी समस्या होती है इसके बावजूद शहर में अघोषित बिजली कटौती लगातार जारी है बिना सूचना के दिन हो या रात शहर में मनमानी तरीके से बिजली की कटौती की जाती है जिससे आम जनता को काफी समस्या होती है इसे लेकर लोगों में तेजी से आक्रोश व्याप्त है दिन व रात में लाइट चले जाने से लोगों की दिनचर्या में विपरीत असर पड़ने लगा है एक तो लोगों को सही से बिजली नही मिल पा रही वहीं एक ओर बढ़े चढ़े म अनुमानित बिल के नाम पर थमा दिए जाते हैं यह उ समस्या शहर ही नहीं बल्कि ग्रामीण

में भी व्याप्त है र जिससे आम जनता बेहद परेशान हो रही है आने व वाला समय माने तो यही हाल रहा तो लगातार बढ़ रहे पारे से घंटों की अघोषित कटौती लोगों का जीना मुश्किल कर देगी वही बिना बिजली के लोगों के पंखे, कूलर व एसी शो पीस बनकर रह जाएंगे देव पाण्डेय ने कहा कि प्रशासन व विभाग को जल्दी इस भीषण समस्या पर रोक लगानी चाहिए वरना यह आक्रोश बढ़ता रहेगा ।

जल संरक्षण के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान में किये जा रहे प्रयास

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा और मऊगंज जिले में वर्षा जल को संचित करने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है अभियान के तहत पुराने जल स्त्रोतों की साफ-सफाई के साथ-साथ नई जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ-साथ वर्षाकाल में वृक्षारोपण की भी तैयारी की जा रही है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि पीएचई विभाग द्वारा नल जल योजनाओं को चालू करने तथा पाइप लाइन की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय ने सहयोगी के साथ ग्राम तिलखन ठाकुर टोला में नल जल योजना में सुधार कराके पानी की आपूर्ति शुरू करायी। जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्राम अगडाल में नल जल योजना का कार्य पूरा करके पीएचई विभाग ने उसे संचालन के लिए ग्राम पंचायत को हस्तांरित किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जिले भर में बड़ी संख्या में खेत तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। जनपद पंचायत रीवा की ग्राम पंचायत धोपखरी में दो खेत तालाब बनाये जा रहे हैं। इनका तकनीकी

अधिकारियों ने निरीक्षण कर सात दिन में निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिये। गंगेव विकासखण्ड में ग्राम पंचायत पडुआ में दो खेत तालाब तथा लालगांव में तीन खेत तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्राची चौबे ने सहायक इंजी. तथा उप यंत्री के साथ खेत तालाब का निरीक्षण किया। निर्माण कार्य सात दिवस में पूरा कराने के निर्देश दिये। ग्राम पंचायत लालगांव में सूर्यनारायण मिश्रा, सुनील प्रताप सिंह तथा कपिलेश मिश्रा द्वारा खेत तालाब का निर्माण किया जा रहा है। औद्योगिक क्षेत्र घूमा में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वृक्षारोपण की तैयारी की जा रही है। औद्योगिक विकास निगम द्वारा वृक्षारोपण के लिए गढ़ढे तैयारी किये जा रहे हैं। इसके साथ-साथ अभियान में प्राचीन जल स्त्रोतों की सफाई तथा अमृत सरोबरों का निर्माण किया जा रहा है।

जिले में अब तक 17.8 मिली मीटर वर्षा दर्ज: जिले में अभी मानसून ने दस्तक नहीं दी है लेकिन मानसून पूर्व ही वर्षा शुरू हो गयी है। जिले में 14 जून की शाम और रात में तेज आधी के साथ कई स्थानों पर वर्षा हुई। जिले में कई स्थानों पर गाज गिरने की घटनाएं हुई। इस संबंध में अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि जिले में 15 जून को 7.7 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी। सर्वाधिक 31 मिली मीटर वर्षा गुढ़ तहसील में दर्ज की गयी। जिले में एक जून से अब तक 17.8 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी है। जिसमें तहसील हुजूर में 18.3 मिली मीटर, रायपुर कचुलियान में 13.5 मिली मीटर, गुढ़ में 32 मिली मीटर, सिरमौर में 41.6 मिली मीटर, त्योंथर में 4 मिली मीटर, सेमरिया में 23 मिली मीटर तथा जवा में 9 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज गयी। गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 2.3 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गयी थी। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1044.6 मिली मीटर है।

विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला आज उचेहरा में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शासकीय आईटीआई एवं रोजगार कार्यालय सतना द्वारा 26 जून 2025 तक सतना एवं मैहर जिले में स्थित समस्त आईटीआई में एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस का एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 16 जून को जनपद पंचायत उचेहरा, 17 जून को जनपद पंचायत नागौद, 18 जून को शासकीय आईटीआई सतना (युवा संगम), 19 जून को शासकीय आईटीआई मैहर (युवा संगम), 20 जून को जनपद पंचायत सोहावल, 23 जून को शासकीय आईटीआई अमरपाटन, 24 जून को जनपद पंचायत मैहर, 25 जून को जनपद पंचायत रामनगर एवं 26 जून 2025 को जिला रोजगार कार्यालय सतना में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाइजर पद हेतु आयु 19 से 40 वर्ष तथा योग्यता 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण बेरोजगार आवेदक अपने मूल रिकार्ड के साथ निर्धारित स्थान पर उपस्थित हो सकते हैं। भर्ती से संबंधित जानकारी के लिए राहुल साहू मोबाइल नम्बर 9131557489 पर सम्पर्क कर सकते है।

आईटीआई चले अभियान एवं प्रवेश उत्सव आज तक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के समस्त शासकीय आईटीआई में प्रवेश 2025 के लिए 1 मई से पंजीयन विभागीय पोर्टल ूणेकण्उचण्हवअण्पद के माध्यम से प्रारंभ किया गया है। आईटीआई में प्रवेश के लिए 1 मई से 16 जून तक पंजीयन एवं च्वाईस फिलिंग/त्रुटि सुधार विभागीय पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जिले के समस्त शासकीय आईटीआई में प्रवेश के लिए अधिक से अधिक पंजीयन किये जाने एवं आईटीआई में प्रवेश के लिए प्रचार-प्रसार हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आपके अधीनस्थ समस्त संस्थानों एवं कार्यालयों, ग्राम पंचायतों, नगर परिषद, नगर पालिका, आंगनवाडियों, हल्का पटवारियों को आईटीआई में प्रवेश की जानकारी जनसामान्य तक पहुंचायें। आईटीआई में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को एमपी आनलाइन केन्द्र में कक्षा 8वीं, 10वीं की अंकसूची, समग्र आईडी, आधारकार्ड, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण, आय प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक, संबल कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, विशेष श्रेणी विकलांग, एनसीसी, सैनिक प्रमाण पत्र ले जा सकते हैं। पंजीयन उपरांत व्यवसाय ट्रेड की वरीयता हेतु उस ट्रेड को रखे जो प्रवेश के लिए चाही गई हो। आईटीआई सतना के लिए इलेक्ट्रीशियन, फिटर, टर्नर, मशीनिष्ट, बेल्डर, मैकेनिक डीजल इंजन, इलेक्ट्रानिक्स मैकेनिक, बुड वर्क टेक्नीशियन, मैकेनिक ट्रेक्टर, मैकेनिक मोटर व्हीकल, कोपा, कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड नेटवर्क मेंटनेश, फैशन डिजाइनिंग एण्ड टेक्नोलॉजी तथा सोलर टेक्नीशियन के ट्रेड में अभ्यर्थी स्वेच्छा अनुसार प्रवेश पा सकते हैं।

किसानों को डीएपी के स्थान पर एनपीके के उपयोग की सलाह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के कृषकों को सलाह दी गई है कि वह डीएपी के स्थान पर एनपीके उर्वरकों का प्रयोग करें। कृषि वैज्ञानिकों ने अपनी सलाह में कहा है कि डीएपी में केवल दो तत्व नाइट्रोजन व फास्फोरस प्राप्त होते हैं। जबकि एनपीके उर्वरक से फसलों के लिए आवश्यक सभी तीन मुख्य पोषक तत्वों नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की उपलब्धता होती हैं। इस प्रकार एनपीके उर्वरक से नत्रजन एवं स्फुर के अलावा पौधों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व पोटाश की पूर्ति किसान भाई सफलतापूर्वक कर सकते हैं। अतः एनपीके उर्वरक का प्रयोग करने पर किसान भाईयों को अलग से पोटाश डालने की जरूरत नहीं पड़ती है व लागत में कमी आती है। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने किसान भाईयों के लिए डीएपी के स्थान पर एनपीके खाद का उपयोग करने की सलाह दी है।

उप संचालक ने कहा है कि फसलों में उर्वरकों का संतुलित उपयोग लाभदायक होता है। डीएपी के स्थान पर सिंगल सुपर फास्फेट और एनपीके का उपयोग अधिक लाभदायी है। इससे जमीन को सल्फर की प्राप्ति होती है। सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग खेत की तैयारी के समय किया जाता है। जिससे यह फसलों में अधिक कारगर रहता है। डीएपी में उपलब्ध 18 प्रतिशत नाइट्रोजन में से केवल 15 प्रतिशत नाइट्रोजन तथा 46 प्रतिशत फास्फोरस में से 39 प्रतिशत फास्फोरस पानी में घुलकर मिट्टी को प्राप्त होता है। शेष फास्फोरस मिट्टी में जमा हो जाता है जिससे मिट्टी कठोर हो जाती है। इसकी जल धारण क्षमता घटती है। उप संचालक ने बताया है कि आगामी फसल में शंकर धान एवं शंकर मक्का के लिए नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश एनपीके खाद का उपयोग अधिक लाभकारी होगा। दलहन एवं तिलहन फसलों में 80:40:30 एनपीके तथा सल्फर का उपयोग लाभदायी होगा।

उप संचालक ने बताया है कि किसान नैनो तकनीक पर आधारित खाद का भी उपयोग कर सकते हैं। फसलों के लिए 20 प्रतिशत नाइट्रोजन से युक्त नैनो यूरिया तथा 8 प्रतिशत नाइट्रोजन एवं 16 प्रतिशत फास्फोरस से युक्त नैनो डीएपी उपलब्ध है। इनके निर्धारित मात्रा में उपयोग से फसलों को संतुलित मात्रा में पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। सामान्य तौर पर एक स्वस्थ पौधे में नाइट्रोजन की मात्रा 1.5 से 4 प्रतिशत तक होती है। फसलों की बढ़वार की स्थिति में इनमें नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का पत्तियों में छिड़काव करने से पौधों को कारगर तरीके से नाइट्रोजन और फास्फोरस की उपलब्धता हो जाती है। इनके उपयोग से पैदावार में वृद्धि होती है तथा मिट्टी के स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। नैनो यूरिया की 500 मिलीलीटर तथा नैनो डीएपी की 500 मिलीलीटर की बोतल जिस दाम में मिल रही है। वह खाद की आधी बोरी की कीमत के बराबर है। जबकि इसका असर एक बोरी खाद से भी अधिक है। इसलिए नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग किसानों के लिए अधिक लाभकारी है।

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत षासकीय योजनाओं की दी गई जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना के अंतर्गत शासन द्वारा शासकीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने और हितग्राहियों को योजनाओं में पूर्ण संतृप्ति प्रदान करने के उद्देश्य से 15 जून से 30 जून तक विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत रविवार को विकासखण्ड मझगवां के ग्राम पंचायत हरदी हलामन में शिविर लगाकर शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर हितग्राहियों को लाभांवित किया गया। जिसमें लगभग 200 हितग्राही उपस्थित रहे। इसी प्रकार विकासखण्ड रामपुर बघेलान की ग्राम पंचायत में शिविर लगाकर हितग्राहियों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई। जिसमें लगभग 180 हितग्राही उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां का सचिव और महानिदेशक नई दिल्ली डॉ. मांगी लाल जाट ने किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां में सचिव (डेयर) और महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली डॉ. मांगी लाल जाट ने रविवार को निरीक्षण किया। इस अवसर पर उप महानिदेशक (कृषि विस्तार) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली डॉ. राजबीर सिंह एवं निदेशक अटारी जबलपुर डॉ. एसआरके सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्र म में सबसे पहले वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां मे संचालित जीवंत इकाइयों का निरीक्षण किया। जिसमे खाद्य प्रसंस्करण इकाई मे भ्रमण के दौरान स्वयं सहायता समूह एवं कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा निर्मित उत्पादों का अवलोकन किया गया।

खाद्य प्रसंस्करण वैज्ञानिक डॉ. हेमराज द्विवेदी ने बताया कि महिलाओ एवं समूहों को प्रशिक्षण देकर उन्हे छोटी-छोटी इकाइयां स्थापित कराकर आय अर्जित कराते है। समूह की महिलाओं से बात करते हुए डॉ. जाट ने बताया कि आपने कैसे सीखा, तो महिलाओ ने बताया कि केवीके से प्रशिक्षण के माध्यम से हमें लघु वनोपज प्रसंस्करण एवं एकत्रीकरण के बारे मे जानकारी दी गई। जिससे हम अच्छी आय अर्जित कर रहे है। साथ ही सामुदायिक बीज बैंक, बीज प्रसंस्करण इकाई, नर्सरी का अवलोकन किया गया। इसके बाद किसानों को समूह प्रथम पंक्ति प्रदर्शन में सोयाबीन एवं धान के बीजों का वितरण किया गया।

किसानों से डॉ. जाट ने पूंछा कि आपको कृषि विज्ञान केंद्र से कैसे मदद मिलती है। प्रगतिशील किसान शिवकुमार सिंह ने बताया कि सोयाबीन के उन्नत बीज की आवश्यकता है। कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक हमेशा हमे तकनीकी जानकारी देते है। अनुसुईया कुशवाहा ने बताया कि मैं कृषि विज्ञान केन्द्र से जानकारी लेकर फल एवं सब्जी की खेती करता हूँ। जिससे हमें अच्छी आमदनी प्राप्त हो रही है। डॉ. जाट ने बताया कि दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां मे जिस तरीके से काम हो रहा है वह सराहनीय है। इसके लिए मै नानाजी को नमन करता हूँ। ऐसी विषम परिस्थिति में काम करना और इस स्तर का काम करना काबिले तारीफ है। साथ ही अपने वक्तव्य मे किसानों को आश्वास्त किया कि उन्नत किस्म के बीज आप तक आसानी से पहुचेंगे। संस्थान द्वारा किए जा रहे वन धन परियोजना के कार्यों की जानकारी में अटारी डायरेक्टर ने कहा कि डाकुमेंटरी तैयार कर हमें भेजे। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक, वन धन समूह की महिलायें, तथा गृह उद्योग की महिलायें, वैष्णवी स्वयं सहायता समूह की महिलायें एवं पूसा के वैज्ञानिक डॉ. अमित गोस्वामी सहित कृषि विज्ञान केंद्र के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रीवा में 386 प्रतिभाशाली बच्चों को किया गया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्थानीय मिलन गार्डन में मुस्लिम समाज की सामाजिक संस्था सूफी इकरा प्रतिभा सम्मान समिति द्वारा अपने समाज के एल.के.जी. से पोस्ट ग्रेजुएशन तक की परिक्षाओं में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले 386 छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में म0प्र0 हज कमेटी के जिला अध्यक्ष श्री रफत वारसी, विशिष्ट अतिथि श्री वीरेन्द्र गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष कांग्रेस प्रदेश महासचिव श्री गुरमीत सिंह मंगू एवं कटनी भाजपा अल्प संख्यक प्रकोष्ट अध्यक्ष श्री नवाब खान ने उपथित रह कर बच्चो को पुरस्कृत कर अपने महत्वपूर्ण उदबोधनो के माध्यम से शिक्षा के महत्व एवं शिक्षा समाज और देश के विकास में कैसे जरूरी है इस बात पर जोर देते हुए कहा कि मुस्लिम समाज के लिए एक एसी धारणा बन चुकी है कि यह समाज शिक्षा के क्षेत्र में पीछे है लेकिन वर्तमान परिवेश में यह धारणा धीरे-धीरे बदल रही है। जो आज इस खचाखच भरे हाल में उपस्थित 386 बच्चो की उपस्थिति से प्रभावित होती है जिन्होने अपनी-अपनी परिक्षाओं में अच्छे अंको से सफलता प्राप्त की है। रफत वारसी जी ने समाज को संदेश दिया कि कम खाओ भूखे रहो लेकिन अपने बच्चो को पढ़ाओ। वीरेन्द्र गुप्ता जी ने अपने सारगर्भित उदबोधन में कहा कि समाज के इतने बच्चो का उत्साह के साथ उपस्थित होगा एक महोत्सव जैसा प्रतीत हो रहा है इसमें निरन्तरता बनी रहना चाहिए भाजपा शासन में शिक्षा को एवं खास तौर पर सर्व शिक्षा को मुख्य रूप से सम्मिलित कर हर समाज को आगे बढ़ाने के समान अवसर प्रदान किए है। गुरमीत सिंह मंगू द्वारा उपस्थित बच्चो एवं अभिभावको से अपील की कि शिक्षा के महत्व को स्वीकारने पर ही अल्प संख्यक का भला हो सकता है आज के कार्यक्रम की निरन्तरता आवश्यक है ऐसे कार्यक्रम वा केवल बच्चो को प्रतिस्पर्धा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करते है। कार्यक्रम की विशेषता यह थी कि रीवा के चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े वरिष्ठ चिकित्सक डॉ0 ज्योति सिंह डॉ0 राकेश पटेल, डॉ0 यासमीन सिद्दीकी, डॉ0 अखिलेश पटेल, डॉ0 असगर हुसैन निजामी द्वारा काफी समय तक कार्यक्रम में उपस्थित रह कर पुरस्कृत करने में सहभागिता निभाई और बच्चो को आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की।

आईटीआई में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रीवा में प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एमपी ऑनलाइन के माध्यम से एक जून से प्रारंभ हो चुका है। प्राचार्य ने बताया कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं चॉइस फिलिंग हेतु आवेदन संभागीय आईटीआई रीवा में उपस्थित होकर हेल्प डेस्क के माध्यम से अपना पंजीयन करा सकते हैं। प्रवेश हेतु इच्छुक आवेदक www.dsd.mp.gov.in में रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

रोगी कल्याण समिति की बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला चिकित्सालय रीवा में गठित जिला रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी की बैठक 16 जून को दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल करेंगी। सिविल सर्जन डॉ प्रतिभा मिश्रा ने समिति के सभी सदस्यों तथा संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियों से बचने की सलाह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने वर्षा ऋतु में मुख्य रूप से दूषित जल के उपयोग से होने वाली बीमारियों से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि जिले में प्री मानसून वर्षा शुरू हो गई है। शीघ्र ही वर्षाकाल शुरू हो जाएगा। वर्षाकाल में दूषित जल के सेवन से टाइफाइड, पीलिया, डायरिया, पेचिस एवं हैजा जैसी बीमारियां फैलती हैं। अतः भोजन बनाने एवं पेयजल के उपयोग में शुद्ध उबला हुआ जल का उपयोग करें। कुछ भी खाने के पहले व शौच के पश्चात साबुन से अवश्य हाथ धोयें। शुद्ध पेयजल की कमी के कारण देश में जलजनित रोगों से सबसे अधिक यानि लगभग 80 प्रतिशत मौतें होती हैं। पानी और अस्वच्छ आदतों से फैलने वाली बीमारियों में मोटे तौर पर दस्त, कृमि संक्रमण, त्वचा और आंखों के रोग, मच्छरों एवं मक्खियों से फैलने वाले रोग सम्मिलित हैं। बच्चों में दूषित पानी और खाद्य पदार्थों के कारण उल्टी-दस्त का प्रकोप अधिक गंभीर रूप धारण कर सकता है। सड़े-गले फल एवं खाद्य पदार्थो का उपयोग न करें। खुले में शौच न करें एवं शौचालय का उपयोग करें। घर के आसपास साफ-सफाई रखें, दस्त लग जाने पर ओ.आर.एस. एवं जिंक सल्फेट गोली का उपयोग चिकित्सक की सलाह अनुसार करें। खाने-पीने की वस्तुओं को ढंककर रखें, मक्खियों से बचाव करें। हरी सब्जी एवं फलों को साफ पानी से धोकर ही उपयोग करें। मानसून के दौरान बहुत से लोगों को आंखो के रोग हो जाते हैं। इस रोग को आई-फ्लू, कंजक्टिवाईटिस या आखें आना के रूप में जाना जाता है। इस रोग से बचाव के लिए बार-बार अपने हाथ एवं चेहरे को ठंडे पानी से धोयें, परिवार के सभी सदस्य अलग-अलग तौलिये एवं रूमाल का उपयोग करें, स्वच्छ पानी का उपयोग करें, बार-बार आंखों को हाथ न लगायें, धूप के चश्मे का प्रयोग करें, चिकित्सक को दिखायें।

बरसात में मलेरिया और डेगू रोग भी फैलता है जिसमें मरीज को ठण्ड लगकर बुखार आता है। प्रायः खेत, तालाब, गड्ढे, खाई, घर के आसपास रखे हुए टूटे-फूटे डब्बे, पुराने टायर, पशु के पानी पीने का नाद इत्यादि में बरसात के दिनो में जल जमा हो जाता है। जिसमें मच्छर के लार्वा पैदा होते हैं जो बाद में मच्छर बनकर रोग फैलाते हैं। मलेरिया से बचाव हेतु घर के आसपास जल जमा न होने दें, रूके हुए पानी में मिट्टी का तेल या जला हुआ ऑईल डालें। कूलर, फूलदान, फ्रिज ट्रे आदि को सप्ताह में एक बार अवश्य साफ करें। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। कीटनाशक का छिडकाव करवायें, मलेरिया रोग हो जाने पर खून की जांच अवश्य करायें एवं चिकित्सक की सलाह से पूर्ण उपचार लें।

विचार

विश्व युद्ध की आशंका से सहमी दुनिया

इसराइल ने ईरान पर बड़ा हमला किया है, जिसमें करीब 78 ईरानी नागरिक मारे गए जबकि 350 से अधिक लोग घायल हो गए। ईरान के संभावित परमाणु ठिकानों पर इसराइल के हमले के बाद सारी दुनिया सहम गई है। दुनिया भर के शेयर बाजारों में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली है। कच्चे तेल के दाम में भारी तेजी देखने को मिली, सोने और चांदी का कारोबार भी तेजी के साथ हुआ। दुनिया भर के बाजारों में हड़कंप मच गया। सबसे ज्यादा तेजी क्रूड ऑयल के दामों में देखने को मिली। इसके साथ ही ईरान के साथ युद्ध शुरू होने की दशा में दुनिया के देशों में 40 फ़ीसदी से ज्यादा जो कच्चे तेल की आपूर्ति होती है, इसके अलावा आयात ?र निर्यात के लिए जिन मार्गों का उपयोग होता है, निश्चित रूप से उसमें व्यवधान उत्पन्न होगा। इसका असर दुनिया के देशों में पड़ना तय माना जा रहा है। इस कारण वैश्विक स्तर पर अफरा- तफरी का माहौल बन गया है। इसराइल के द्वारा किए गए हमले के जवाब में ईरान ने 150 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिसमें इसराइल के 2 लोगों की मौत जबकि 90 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। इसी के साथ ईरान ने अपने यहां लाल झंडा फहरा दिया है, जो युद्ध का संकेत है। वैश्विक स्तर पर जो नई स्थितियां देखने को मिल रही हैं, उसके अनुसार अमेरिका का खुला समर्थन इजरायल के साथ है। खाड़ी के कई देश अमेरिका के साथ खड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति में ईरान के समर्थन में चीन-रूस और उत्तर कोरिया आगे आते हुए दिख रहे हैं। वैश्विक स्तर पर जो नया समीकरण बन रहा है, उसमें अमेरिका के सामने रूस और चीन डटकर खड़े हो गए हैं। उनका समर्थन ईरान के साथ देखने को मिल रहा है। इस स्थिति में यदि युद्ध होता है तो यह युद्ध बहुत विनाशकारी होगा। इसे अभी से तीसरे विश्व युद्ध की आशंका के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका की यह चेतावनी कि ईरान न्यूक्लियर डील अमेरिका के साथ करे या तबाही के लिए तैयार हो जाए। एक तरह से अमेरिका ने ही इसराइल को हमले के लिए शह दी है। 75 साल बाद परमाणु ठिकानों पर हमला किया गया है। इसके बाद सारी दुनिया के देश दो हिस्सों में बंटने के लिए मजबूर हो जाएंगे। इसराइल और ईरान के बीच में युद्ध शुरू होने पर अमेरिका के नेतृत्व में दुनिया के कई देश एकजुट होंगे, वहीं चीन और रूस के नेतृत्व में ईरान के समर्थन में कई देश सामने आएंगे। ऐसी स्थिति में तृतीय विश्व युद्ध की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है, जो बड़े विनाशकारी परिणाम सामने ला सकता है। इसराइल ने परमाणु स्थलों पर हमला करके अब ईरान, चीन और रूस जैसे देशों को जवाबी हमले के लिए मौका दे दिया है। युद्ध बढ़ने की दशा में चीन और रूस भी ईरान के समर्थन में परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकेंगे। अब इसे रोक पाना संभव नहीं होगा। इसराइल और अमेरिका ने जो गलती की है उसको लेकर भारी तबाही की संभावना दिखने लगी है। ईरान ने जिस तरह से जवाबी हमले शुरू किए हैं उससे इतना स्पष्ट हो गया है कि वह अमेरिका से दबने वाला नहीं है। ईरान की मदद के लिए जिस तरह से चीन और रूस ने मदद की पेशकश की है उसके कारण तृतीय विश्व युद्ध की आशंका सभी के मन में उत्पन्न होने लगी है। अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से तुगलगी फैसला ले रहे हैं, वह सारी दुनिया के देशों को धमकाने में लगे हुए हैं।

मन्दिरों में पैसे लेकर एवं वीआईपी दर्शन बन्द हो

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में पैसे लेकर दर्शन कराने वाले बाउंसरों की गिरतारी के बाद श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में सुगम दर्शन के नाम पर एक साथ इक्कीस लोगों की गिरतारी जहां मंदिर प्रशासन की व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है, वही ईश्वर के दरबार में पांव फैला रहा भ्रष्टाचार गहन चिन्ताजनक एवं शर्मनाक हैं। कुछ ही दिनों पहले ओंकारेश्वर स्थित ममलेश्वर मंदिर में भक्तों से वीआइपी दर्शन के नाम पर अवैध वसूली करने पर प्रशासन ने एक होमगार्ड जवान और दो पंडितों पर कार्रवाई की है। देश-विदेश के भक्त अगाध श्रद्धा से अपने आराध्य का दर्शन करने आते हैं, लेकिन देश के प्रमुख मन्दिरों में सीधे दर्शन कराने के नाम पर पैसों की लूट मची है या वीआईपी संस्कृति के नाम पर त्रासद एवं भेदभावपूर्ण स्थितियां पसरी है।

सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? मन्दिरों में गरीब एवं अमीर के बीच भेदभाव की स्थितियां खुला भ्रष्टाचार ही है। पैसे लेकर एवं वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करती है। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में तो त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था भी है। मंदिर का चप्पा-चप्पा सीसीटीवी कैमरे की पहुंच में है। यह मन्दिर सुरक्षा कारणों से अतिसंवेदनशील स्थल होने के बावजूद ऐसा कृत्य खेदजनक ही नहीं, आपत्तिजनक भी है। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि दर्शन की प्रचलित व्यवस्था को और सुगम, भ्रष्टाचार व दोषरहित बनाए ताकि व्यवस्था में कोई सेंध न लगे और जन-आस्था आहत न हो।

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में तो सुगम दर्शन का शुल्क भी जमा कराया जाता है पर ठगों की जमात ने शीघ्र दर्शन के नाम पर कमाई का नया रास्ता तलाश लिया। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि वह सुगम दर्शन व्यवस्था के नाम पर हो रही धांधली को गंभीरता से ले। फर्जी पंडा, गाइड बनकर लोगों को झांसे में लेने वाले लोग अचानक एक दिन में डेरा नहीं जमाए होंगे। यह सब काफी समय से चल रहा होगा। इस प्रकार की ठगी करने की संभावना कैसे बन जाती है, इसकी जांच होनी चाहिए। बात केवल ठाकुर बांके बिहारी मंदिर या श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की ही नहीं है, बल्कि देश के प्रमुख मन्दिरों में बढ़ती जन-आस्था की भीड़ एवं लम्बी-लम्बी लाइनों के बीच पैसे लेकर या वीआईपी दर्शन कराने की त्रासद एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों की हैं, जिसने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है।

बांके बिहारी मंदिर में एक बार फिर वीआईपी कल्चर का खेल सामने आया है। मंदिर की भीड़ से हटकर वीआईपी दर्शन कराने के नाम पर एक निजी सुरक्षा एजेंसी ने बाउंसर उपलब्ध कराकर पैसे कमाने का गोरखधंधा शुरू कर दिया था। एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रचार कर यह दावा किया कि वे श्रद्धालुओं को भीड़ से बचाकर विशेष वीआईपी दर्शन कराने में मदद कर सकते हैं। यह तो घोषित गैरकानूनी व्यवस्था है, लेकिन अन्य प्रमुख मन्दिरों में भी मन्दिर से जुड़े लोग या अन्य ठग पैसे लेकर दर्शन कराते हैं। सबसे ज्यादा दुखद एवं विडम्बनापूर्ण है वीआईपी दर्शन का प्रचलन। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईवी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों मन्दिरों में वीआईपी दर्शन के लिये सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की। दरअसल, वीआईपी संस्कृति का दायरा बहुत व्यापक है। यह धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र से लेकर आस्था तक, कई मौकों पर कुछ खास लोगों को विशेष सुविधाएं दी जाती हैं। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत कहता है कि सभी नागरिक समान हैं, फिर भी व्यवहार में कुछ लोग 'विशेष' बन जाते हैं, चाहे वे सड़क पर हों, सरकारी दफ्तरों में, अस्पतालों में या मंदिरों में! इसी तरह, बड़े नेताओं और अधिकारियों के लिये मन्दिरों में सीधे दर्शन कराने की व्यवस्थाएं हैं, जिससे लम्बी कतारे और लम्बे समय का इंतजार करती है। ऐसी व्यवस्था से मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों में हादसें भी होते हुए देखे गये हैं। इन वीआईपी के लिए अक्सर यातायात रोक दिया जाता है, जिससे आम जनता घंटों जाम में फंसी रहती है। अस्पतालों में वीआईपी वार्ड हैं, जबकि आम मरीजों को बिस्तर भी नहीं मिल पाता। एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनों पर वीआईपी यात्रियों को विशेष सुविधाएं मिलती हैं, जबकि आम लोग लंबी कतारों में खड़े रहते हैं। वीआईपी संस्कृति एक नासूर बन गई है। यही कारण है कि हर सरकार वीआईपी संस्कृति को खत्म करने का वादा करती है, लेकिन हकीकत में इसे बनाए रखने के नए-नए तरीके खोजे जाते हैं।

वीआईपी कल्चर एवं पैसे लेकर दर्शन कराने की धांधली ने एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वीआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो सिर्फ हिन्दू मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिए वीआईपी या पैसे लेकर दर्शन क्यों है? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिंदुओं में दूरिया पैदा करता है? प्रसिद्ध मन्दिरों में वीआईपी पास एवं दर्शन की व्यवस्था समाप्त क्यों नहीं होती? यह व्यवस्था समाप्त होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। निश्चित ही जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है तो उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं। यह समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है। वीआईपी संस्कृति एक पथभ्रष्टता है, यह एक अतिक्रमण है, यह मानवाधिकारों का हनन है। समानता के नजरिए से देखा जाए तो समाज में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए, धार्मिक स्थलों एवं मन्दिरों में तो बिल्कुल भी नहीं।

न्यायालय भी देश में बढ़ती वीआईपी संस्कृति को लेकर चिन्तीत है। मद्रास उच्च न्यायालय की मुदुरै पीठ ने अपनी एक सुनवाई के दौरान कहा भी है कि लोग वीआईपी संस्कृति से 'हताश' हो गए हैं, खासतौर पर मंदिरों में। इसके साथ ही अदालत ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिरों में विशेष दर्शन के संबंध में कई दिशा निर्देश जारी किए। राजस्थान में गहलोत सरकार ने भी मन्दिरों में वीआईपी दर्शनों की परम्परा को समाप्त करने की घोषणा की थी कि मन्दिरों में बुजुर्ग ही एकमात्र वीआईपी होंगे। इस तरह की सरकारी घोषणाएं भी समस्या का कारगर उपाय न होकर कोरा दिखावा होती रही है। अक्सर नेताओं एवं धनाढ्यों को विशेष दर्शन कराने के लिए मंदिर परिसरों को आम लोगों के लिये बंद कर दिया जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होती है, लोग वास्तव में इससे दुखी होते हैं और कोसते हैं। वीआईपी लोगों को तरह-तरह की सुविधाएं दी जाती है, मन्दिर के मूल परिसर-गर्भ परिसर में दर्शन कराये जाते हैं, उनके वाहन मन्दिर के दरवाजे तक जाते हैं, उनके साथ पुलिस-व्यवस्था रहती है, जबकि आम श्रद्धालुओं को कई किलोमीटर पैदल चलना होता है, भगवान के दर्शन दूर से कराये जाते हैं, उनके साथ धक्का-मुक्की की जाती है। लगता है मन्दिरों में दर्शन में सहभागिता को लेकर आम आदमी गुलामी की मानसिकता को ही जी रहा है। इन स्थानों पर उसके स्वाभिमान, सम्मान एवं समानता को बेरहमी से कुचला जा रहा है। ये कैसा मंदिर और ये कैसा दर्शन जहाँ सरेआम आम दर्शनार्थी का अपमान हो रहा है। इसलिए जिस भी मंदिर में वीआईपी दर्शन की सुविधा दी जा रही है उसके खिलाफ जनक्रांति हो। आज हिन्दू मन्दिरों की भेदभाव पूर्ण दर्शन-व्यवस्था को समाप्त करके ही आम आदमी को उसका उचित सम्मान किया जा सकता है, उसकी निराशा एवं पीड़ा को समझा जा सकता है। भाजपा सरकार मन्दिरों एवं धार्मिक-स्थलों से वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने के लिये कोई ठोस कदम उठाये।

आखिर कौन होगा भाजपा का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष

देश-दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी का अगला नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन बनेगा, इसको लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के वरिष्ठ रणनीतिकारों के बीच माथापच्ची जारी है। कहने को तो यहां तक बताया जा रहा है कि अगले एक से डेढ़ महीनों में यह प्रक्रिया पूरी हो सकती है, क्योंकि राज्यों में संगठन चुनाव अंतिम चरण में हैं। लेकिन बात सिर्फ इतनी नहीं है! इसलिए सावधान! आखिर कौन होगा भाजपा का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष, अब इसके लिए लॉबिंग करवा रही हैं विदेशी खुफिया एजेंसियां? जी हां, सीआईए की पूरी दिलचस्पी है इसमें! कुछ और छिपे रुस्तम होने की चर्चा है। तभी तो ब्रेक के बाद फैसला टल जाता है, पर कबतक?

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मामलों के एक जानकार ने नाम नहीं छापे जाने की शर्त पर बताया कि विगत कुछेक वर्षों से अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर किसी भी तरह से भाजपा/आरएसएस के रिश्तों को कमजोर करने में जुटी हुई है। इसके लिए वो नए भाजपा अध्यक्ष के नाम पर भी अंतर्विरोध पैदा करवा रही हैं। वहीं चीनी की खुफिया एजेंसी भारतीय विपक्ष को मजबूत करने के लिए हर दांव चल रही है। लेकिन मोदी मैजिक और योगी के हठयोग के आगे सबको पानी भरना पड़ रहा है।

वाकई, जिस तरह से इस महत्वपूर्ण पद के लिए एक अनार, सौ बीमार वाली स्थिति पैदा की जा रही है, वह किसी अन्य आशंका को भी जन्म दे रहे हैं। इसलिए भारत में कोई दूसरा मोरारजी देसाई जैसा गद्दार पीएम नहीं बन सके, यह भी देखना भाजपा-संघ की ही जिम्मेदारी है। क्योंकि जनता को उससे बहुत उम्मीदें हैं। इसलिए सोच समझकर फैसला करें और जल्दी करें। यही श्रेयस्कर होगा।

देखा जाए तो बीजेपी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कब मिलेगा, इसकी चर्चा तकरीबन एक-डेढ़ साल से चल रही है। जबकि अब यह तय माना जा रहा है कि अगले एक से डेढ़ महीनों के भीतर बीजेपी अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष तय कर लेगी। पार्टी मामलों के जानकारों के मुताबिक, अगले कुछ हफ्तों में सभी राज्यों में संगठन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, जिसके बाद तकरीबन 20 दिन में राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया भी पूरी हो जाएगी। इस तरह से जुलाई आखिर या अगस्त के पहले हफ्ते में यह हो सकता है। वहीं कुछ लोग बता रहे हैं कि संसद के मानसून सत्र से पहले पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। इसके लिए राष्ट्रीय सहमति बनाई जा रही है, क्योंकि अभी तक किसी एक नाम पर सहमति नहीं बन पाई है।

पार्टी मामलों के जानकारों के मुताबिक, राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर अभी तलक किसी एक नाम पर सहमति नहीं बनी है। जबकि पार्टी के सीनियर नेताओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सीनियर पदाधिकारियों के बीच भी किसी एक नाम पर चर्चा नहीं हुई है। चूंकि अलग-अलग वजहों जैसे- आम चुनाव 2024, विधानसभा चुनाव महाराष्ट्र, हरियाणा, जम्मूकश्मीर आदि के चलते सांगठनिक चुनाव की प्रक्रिया में देरी होती रही। वाकई, पहले विधानसभा चुनाव में अलग अलग राज्य इकाइयां व्यस्त थी और फिर 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सारा फोकस वहां शिफ्ट हो गया था।

वहीं, अभी यूपी, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के नाम तय नहीं हो पाए हैं। इस प्रकार कुल 28 राज्य और 9 यूटी में से अभी तक दो दर्जन में ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त हो पाए हैं। इसके अलावा, संघ प्रमुख की सहमति भी एक बड़ी वजह बनकर सामने आई है, क्योंकि लोकसभा चुनाव 2024 में भले ही बीजेपी ने 370 सीटें जीतने का टारगेट रखा था, लेकिन संघ के कथित असहयोग

की वजह से मैजिक नंबर 272 तक के करीब भी नहीं पहुंच पाई थी। जिसके बाद से ही यह तय माना जा रहा है कि अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी संगठन पर ज्यादा ध्यान देगा।

यही वजह है कि अब जो भी नया अध्यक्ष बनेगा, वह संघ की पूरी सहमति से ही बनेगा। अन्यथा भाजपा की नाव बीच मझधार में डूब सकती है। चूंकि अटल-आडवाणी की जोड़ी के बाद मोदी-शाह की जोड़ी तो हिट रही है, लेकिन विभिन्न कारणों से इन्हें अब पूरी छूट नहीं दी जा सकती है। क्योंकि पहले सिंधी-पंजाबी लॉबी और अब गुजराती लॉबी के मजबूत होने का जो संदेश जनमानस में गया है, उससे हिंदी पट्टी के जागरूक लोगों में गहरी निराशा है। यह इलाका समाजवादियों/कांग्रेसियों/वामपंथियों का गढ़ रहा है। इसलिए यहां पर भाजपा-संघ की पकड़ मजबूत बनाये जाने के संघ किसी जमीनी नेता को भाजपा की कमान सौंपना चाहता है।

वहीं, संघ ने यह भी साफ कर दिया है कि चूंकि केंद्र सरकार में या राज्य सरकारों में मंत्री रह चुके कई लोगों को इस बार सरकार में जगह नहीं मिली है, इसलिए यह माना जा रहा है कि उन्हें संगठन की जिम्मेदारी दी जा सकती है, ऐसा बिल्कुल नहीं होगा। यही वजह है कि किसी केंद्रीय मंत्री के भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की संभावना से भी पार्टी नेताओं ने इनकार किया हैं, जबकि मोदी-शाह लॉबी ऐसा ही करना चाहती है। वहीं बिहार विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय कैबिनेट फेरबदल होने की चर्चाएं भी तेज हैं, इसलिए कुछ करिश्माई फैसले की उम्मीद सबको है।

समझा जाता है कि इस बार जो भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा, वही अगले प्रधानमंत्री के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अगली कैबिनेट और राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, विभिन्न मंत्रियों आदि के चयन में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी, इसलिए संघ अपने मजबूत आदमी को इस पद पर बैठाना चाहता है, ताकि आडवाणी और शाह जैसी जलालत आगे झेलने की नौबत नहीं आए। यही वजह है कि औद्योगिक घरानों को भी संघ के सिपाहियों ने सतर्क कर दिया है कि व्यक्तिविशेष के प्रति निष्ठा रखेंगे तो मुश्किल बढ़ेगी।

भाजपा के संविधान के मुताबिक, जब कम से कम 50 प्रतिशत प्रदेशों में सांगठनिक चुनाव पूरे हो जाते हैं, उसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। ऐसे में जब राष्ट्रीय परिषद बन जाएगा तो राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन और मतदान और मतगणना की तारीख तय करते हैं। ऐसे में अगर नामांकन एक से ज्यादा उम्मीदवारों का हुआ तो फिर मतदान होता है। हालांकि बीजेपी के अब तक के इतिहास में कभी भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए मतदान की स्थिति नहीं आई है। अबतक तो निर्विरोध ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव हुआ है।

बीजेपी के संविधान के मुताबिक, पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष वही व्यक्ति बन सकता है, जो कम से कम 15 वर्षों तक पार्टी का सदस्य रहा हो। राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव निर्वाचक मंडल करता है, जिसमें राष्ट्रीय परिषद के सदस्य और प्रदेशों के सदस्य शामिल हैं। निर्वाचक मंडल में से कोई बीस सदस्य राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति के नाम का संयुक्त रूप से प्रस्ताव पेश कर सकते हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले जिला संगठनों के चुनाव, प्रदेश संगठन और राष्ट्रीय परिषद के चुनाव होते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजन

'11 वर्षों के ऐतिहासिक कार्यकाल ने देश को समृद्धि और खुशहाली की ओर किया अग्रसर'

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जांजगीर चापा लोक सभा के सांसद कमलेश जांगड़े ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 11 वर्ष का कार्यकाल अनेक मायनों में ऐतिहासिक रहा है। उनके दूरदर्शिता पूर्ण नेतृत्व में देश ने समावेशी विकास, समृद्धि और खुशहाली के नये दौर में कदम रखा है। मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार का हर दिन अंत्योदय की साधना को समर्पित रहा है। सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना के साथ समाज के सभी वर्ग विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उनके कार्यकाल में देश और दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा है। छत्तीसगढ़ ने डबल इंजन की सरकार में चौतरफा विकास के नये आयाम गढ़े हैं। चाहे विकास की बात हो या माओवादी आतंक से निपटने की, केन्द्र सरकार के राज्य सरकार को भरपूर समर्थन और सहयोग मिला है।

डबल इंजन की सरकार ने छत्तीसगढ़ में विकास के गढ़े नये आयाम: कमलेश जांगड़े ने कही की छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार बनते ही किसान भाइयों से की गई मोदी जी की गारंटी भी साकार हुई। हमने बकाया बोनस देने के साथ 3100 रुपए प्रति क्विंटल और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की गई है। पिछले साल छत्तीसगढ़ में रिकार्ड 149 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई। इन 11 सालों में देश में जो बड़ा बदलाव आया है, उससे छत्तीसगढ़ सहित देश के प्रत्येक नागरिक का जीवन स्तर बेहतर हुआ है। पीएम आवास के जरिए गरीब परिवारों के घर का सपना पूरा हुआ। छत्तीसगढ़ में हमने सरकार गठन के दूसरे दिन ही पहली कैबिनेट में 18 लाख पीएम आवास को मंजूरी देकर मोदी जी के वायदे को पूरा किया है। प्रदेश में 26 लाख से अधिक पीएम आवास मंजूर किए जा चुके हैं। इनमें से 15 लाख 38 हजार आवास बन चुके हैं।

किसानों और माताओं-बहनों का हो रहा आर्थिक सशक्तिकरण: श्रीमती जांगड़े ने कही कि 5 लाख 62 हजार भूमिहीन किसानों को भी हर साल 10-10 हजार रुपए की राशि हमारी राज्य सरकार दे रही है। किसान भाइयों के खाते में अब तक एक लाख करोड़ रुपए की राशि प्रेषित कर चुके हैं। डेढ़ साल पहले विधानसभा चुनावों में मोदी जी ने महतारी वंदन योजना के रूप में हर महीने एक-एक हजार रुपए माताओं-बहनों को देने की गारंटी दी थी। हमने यह वादा तीसरे महीने ही पूरा कर दिया और करीब 70 लाख माताओं-बहनों को हर महीने यह राशि दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार ने मोदीजी की अधिकांश बड़ी गारंटियों को पूरा कर कीर्तिमान स्थापित किया है, निसंदेह इसका श्रेय भी मोदीजी को है, जिनकी गारंटी पर जनता ने भरोसा कर हमें सेवा का अवसर दिया।

माओवादी आतंकवाद पर सख्त प्रहार: आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती माओवादी आतंक के खात्मे का मोदी जी और अमित शाह जी का संकल्प भी सिद्ध हो रहा है। छत्तीसगढ़ में बीते डेढ़ साल में 425 माओवादियों को न्यूट्रलाइज किया गया है। 1388 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं और 1443 को गिरफ्तार किया गया है। नक्सल विरोधी अभियान में हमारे जवानों ने बसवराजू और सुधाकर जैसे बड़े नक्सलियों को न्यूट्रलाइज कर माओवाद की रीढ़ तोड़ दी है।

जनजातीय समाज के विकास के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित: कमलेश जांगड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने भारत मां के वीर सपूत धरती आबा भगवान बिरसामुण्डा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर जनजातीय अस्मिता को गौरवान्वित किया है। जनजातीय समाज के उत्थान के लिए मोदी सरकार द्वारा पीएम जनमन योजना प्रारंभ की गई। इस योजना से छत्तीसगढ़ के 18 जिलों के 2121 गांवों में विशेष पिछड़ी जनजाति के 2 हजार 160 बसाहटों में तेजी से बुनियादी सुविधाओं का विकास हो रहा है। पीएम जनमन योजना में 2449 किलोमीटर सड़क स्वीकृत की गई हैं। जनजातीय समाज उत्थान पर केन्द्रित धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का सबसे अधिक लाभ छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी बाहुल्य राज्यों को मिल रहा है। राज्य के 32 जिलों में 6 हजार 691 जनजातीय ग्रामों को लाभान्वित किया जा रहा है।

गरीब कल्याण और उज्जवला योजना से महिलाओं को मिल रही राहत: प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का अब तक का कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के अनुष्ठान की तरह है। गरीब, किसान, पिछड़े, दलित और आदिवासियों का कल्याण उनकी पहली प्राथमिकता है। उज्जवला योजना के तहत छत्तीसगढ़ में 36 लाख 76 हजार बहनों को उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन मिला है। प्रधानमंत्री जी ने गरीब कल्याण योजना के माध्यम से गरीबी रेखा के लोगों के लिए अगले पांच वर्षों तक निःशुल्क खाद्यान्न योजना शुरू की है। प्रदेश में भी 71 लाख से अधिक परिवारों को इसका लाभ मिल रहा है।

किसानों और तेंदूपत्ता संग्राहकों को मिल रहा योजनाओं का लाभ: उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी किसानों की आमदनी दुगुनी करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। छोटे और सीमांत किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हर साल छह हजार रुपए की राशि दी जा रही है। छत्तीसगढ़ में 26 लाख किसान भाइयों को इस योजना का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के रूप में किसानों को सुरक्षा कवर प्रदान किया। हमने तेंदूपत्ता संग्राहकों का संग्रहण पारिश्रमिक 4 हजार से बढ़ाकर साढ़े पांच हजार रुपए कर दिया। इस तरह मोदी जी की एक और गारंटी को हमने पूरा किया। हर घर स्वच्छ जल पहुंचाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी के विजन पर आधारित जल जीवन मिशन के लिए अब तक छत्तीसगढ़ को केन्द्र से 6,178.33 करोड़ रूपए मिले हैं।

भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और पारदर्शी शासन-प्रशासन के लिए गए बड़े निर्णय: ने कहा कि हमने भ्रष्टाचार के रास्ते बंद करने का काम किया है। कोयले के परिवहन की परमिट व्यवस्था को ऑनलाईन कर दिया है। इससे कोयला परिवहन में होने वाली धांधली रूकेगी तथा राजस्व का नुकसान कम होगा। आबकारी विभाग से जुड़ी लाइसेंस प्रक्रियाओं को ऑनलाईन किया है। प्रदेश में जेम पोर्टल के जरिए ही सरकारी विभागों में खरीददारी का नियम अनिवार्य रूप से लागू किया गया है। मोदी जी ने छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों के पूर्व युवाओं से पीएससी घोटाले के आरोपियों पर कार्रवाई का वायदा किया था। हम इस घोटाले की सीबीआई जांच कराकर इस परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए कई कदम उठा रहे हैं।

नई औद्योगिक नीति से निवेश और विकास: ने कहा कि हमने नई औद्योगिक नीति लागू की है। इनवेस्ट कनेक्ट के जरिए छत्तीसगढ़ में अब तक साढ़े पांच लाख करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। हमने सुशासन के मंत्र पर आगे बढ़ते हुए सुशासन एवं अभिसरण विभाग गठित किया है। यह विभाग दूसरे विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाने का काम कर रहा है। आज छत्तीसगढ़ में किसी उद्योगपति या व्यवसायी को कोई कारोबार शुरू करना हो तो उसे अलग-अलग सरकारी विभागों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। नई औद्योगिक नीति में हम कोर सेक्टर के साथ ही आईटी, सर्विस और टूरिज्म पर खास ध्यान दे रहे हैं। प्रदेश का पहला सेमीकंडक्टर प्लांट नवा रायपुर अटल नगर में 1100 करोड़ रूपए की लागत से बन रहा है। हम देश का पहला एआई डाटा सेंटर पार्क स्थापित कर रहे हैं। अंबिकापुर, बिलासपुर और जगदलपुर एयरपोर्ट में एयर कनेक्टिविटी की सुविधा बढ़ी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मिली है एतिहासिक उपलब्धियां: ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने चौतरफा प्रगति की नयी कहानी लिखी है। ऐसी-ऐसी उपलब्धि हासिल की गयी है जिसकी इससे पहले कल्पना भी नहीं थी। श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण, अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी किया जाना आदि दर्जनों उपलब्धियों का वर्णन इतिहास करेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत की दुनिया में बढ़ी है साख: अंतराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन हो या कोराना काल में वैक्सीन मैत्री, मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र को सफल बनाया है। मोदी सरकार के निर्णयों से भारत की दुनिया में साख और धाक दोनों बढ़ी है। आज का भारत पहले किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन बेवजह छेड़ने वालों को छोड़ता भी नहीं है। यह सब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मजबूत नेतृत्व की वजह से संभव हुआ है। सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया आतंकवाद के खिलाफ भारत के संकल्प को देख चुकी है। आज देश के सर्वोच्च पद पर जनजातीय समाज की बेटी श्रीमती द्रौपदी मुर्मु राष्ट्रपति के रूप में विराजमान हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व से संभव हुआ है।

स्वच्छ भारत अभियान बना एक सामाजिक आंदोलन: श्रीमती जांगड़े ने कही कि प्रधानमंत्री जी के द्वारा शुरू किया गया स्वच्छ भारत अभियान देश में एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले चुका है। छत्तीसगढ़ में 05 जिले, 58 विकासखण्ड और 17 हजार से अधिक गांव ओडीएफ प्लस मॉडल घोषित किए जा चुके हैं। हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के न्यूनतम सरकार एवं अधिकतम शासन के उद्देश्य को साकार करते हुए सिर्फ डेढ़ साल में 350 नीतिगत सुधार कर चुकी है। आज हमारा देश स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा का दुनिया में सिरमौर बनकर उभरा है। अंतराष्ट्रीय सौर ऊर्जा गठबंधन और अंतराष्ट्रीय जैव ईंधन गठबंधन की स्थापना अक्षय ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम है। हम छत्तीसगढ़ में सोलर एनर्जी को बढ़ावा के साथ ही 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को साकार करने के लिए ग्रीन स्टील के उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं। पर्यावरण अनुकूल विकास को लेकर पीएम मोदी जी के आव्हान पर हमने प्रदेश में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 2.50 करोड़ पौधे लगाए हैं। विकसित भारत की भव्य ईमारत स्टील से ही तैयार होगी। हमारी वर्तमान स्टील उत्पादन क्षमता 28 मिलियन टन है, जिसे 2030 तक 45 मिलियन टन करने की ओर बढ़ रहे हैं।

रेल सुविधाओं के विस्तार पर हो रहा निरंतर कार्य: सांसद श्रीमती जांगड़े ने कही कि प्रदेश में 48 हजार करोड़ रुपए की लागत से रेलवे सुविधाओं के विस्तार पर काम हो रहा है। जगदलपुर-रावघाट को कनेक्टिविटी मिल गई है। खरसिया-परमालकसा रेल नेटवर्क की स्वीकृति मिल गई है। छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास के लिए यह बड़ी उपलब्धि होगी। प्रदेश के 32 रेल्वे स्टेशनों को एक हजार 680 करोड़ की लागत से अमृत स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। हाल ही में 5 अमृत रेल्वे स्टेशन का लोकार्पण किया गया है। राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास पर पिछले 11 साल में 21 हजार 380 करोड़ रूपए खर्च किए गए हैं। वर्तमान में 18,215 करोड़ रूपए के लागत की 37 परियोजनाएं प्रगतिशील है। मोदी जी के कार्यकाल में प्रदेश में रेल से जुड़ी परियोजनाओं के बजट में 11 वर्षों में 23 गुणा बढ़ोत्तरी हुई हैं। 2014 में करीब 300 करोड़ रूपए था, वह 2025-26 में 6 हजार 925 करोड़ रूपए हो गया है। रायपुर-विशाखापत्तनम एक्सप्रेसवे तथा बिलासपुर-उरगा-पत्थलगाँव फोरलेन का निर्माण किया जा रहा है। भारत सरकार ने 2014 से 2025 तक लेफ्ट विंग एक्सट्रिमिस्म (एल. डब्लू. ई) के अंतर्गत चयनित महत्वपूर्ण सड़कों के विकास के लिए 2625 करोड़ रुपये खर्च किये है।

नदियों को जोड़ने की परिकल्पना होगी साकार: चम्पा देवी पावले ने कही कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी ने नदियों को जोड़ने की परिकल्पना की थी। इस वर्ष हम उनके जन्म शताब्दी वर्ष को अटल निर्माण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। कुछ दिन पहले ही माननीय प्रधानमंत्री जी से बोधघाट परियोजना और इंद्रावती-महानदी रिवर इंटरलिंक योजना पर अहम चर्चा हुई है। इस परियोजना से बस्तर में 7 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई संभव होगी।

एक्सप्रेस-वे के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों के विकास में आएगी तेजी: एमसीबी भाजपा जिलाध्यक्ष चम्पा देवी पावले ने कही कि रांची और विशाखापट्नम से छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाली एक्सप्रेस-वे हमारे बस्तर और सरगुजा जैसे जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए वरदान होंगे। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से करोड़ों लोग स्वास्थ्य की चिंता से मुक्त हो गये हैं। छत्तीसगढ़ में भी 81 लाख परिवारों के 2 करोड़ 38 लाख से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इनमें से 38.47 लाख लोगों को 8 हजार 241 करोड़ रूपए का उपचार लाभ मिला है। राज्य में 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के 3.69 लाख बुजुर्गों को वय वंदन आयुष्मान कार्ड जारी किया गया है।

बस्तर में तरक्की का नया सूर्योदय: चम्पा देवी पावले ने कही कि नक्सलवाद पर मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति से बस्तर में तरक्की का नया सूर्योदय देखने को मिल रहा है। जहां कभी बंदूक की गोलियां गूंजती थी, वहां बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन विकास के प्रति लोगों की उम्मीद को जाहिर करते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश पिछले 11 वर्षों में विरासत के साथ विकास की यात्रा पर आगे बढ़ा है। अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण के साथ महाकुंभ-2025 का अभूतपूर्व आयोजन भारतीय सनातन संस्कृति का जयघोष है। मोदी जी की सरकार ने केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा 32 प्रतिशत से बढ़ा कर 42 प्रतिशत किया, जिससे छत्तीसगढ़ में राजस्व में अब तक कुल 62 हजार 509 करोड़ राशि की वृद्धि हुई है।

विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में छत्तीसगढ़ की अहम भूमिका: ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ भी अहम भूमिका निभाएगा। इसके लिए हमने विजन डॉक्यूमेंट भी बनाया है। हम सब मोदी जी के नेतृत्व में एक ऐसा भारत बनाने जा रहे हैं, जहां प्रत्येक भारतवासी की विकास की आकांक्षा पूरी होगी। प्रेस वार्ता में संकल्प से सिद्धि अभियान के जिला संयोजक जमुना प्रशाद पाण्डेय,भाजपा मीडिया प्रभारी संजय गुप्ता,मंडल अध्यक्ष पुरषोत्तम सोनकर, जिला पंचायत सदस्य भगत बाबू,जिला महामंत्री रामलखन सिंह, समाज कल्याण विभाग के गायत्री पटेल के सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी गण मौजूद थे।

जिलेभर में होगा शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन 16 को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रदेशभर में प्रभावी रूप से लागू किया जा चुका है। शासन की स्पष्ट मंशा है कि छात्र-छात्राओं को स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो। इसी दिशा में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन 16 जून 2025 से जिले के प्रत्येक शैक्षिक स्तर पर जोर-शोर से किया जा रहा है।

इस संदर्भ में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला के शिक्षा अधिकारी द्वारा विभागीय पत्रानुसार सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि शाला प्रवेश उत्सव हेतु पूर्व तैयारियों को प्रारंभिक रूप से पूर्ण कर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए एवं आयोजन के पश्चात फोटोग्राफ्स के साथ विस्तृत प्रतिवेदन अनिवार्यतः कार्यालय को प्रेषित किया जाए। शाला प्रवेश उत्सव के सफल आयोजन के पूर्व विद्यालयों में आवश्यक विशेष कार्य संपादित किए जाने हैं। इसमें प्रमुख रूप से शाला प्रारंभ होने के पूर्व भवन, परिसर एवं अध्यापन कक्षों की संपूर्ण साफ-सफाई एवं आवश्यक मरम्मत कार्य 10 जून 2025 तक पूर्ण किया जाना है। विद्यालय परिसर को आकर्षक बनाया जाना है तथा वातावरण को प्रिन्ट-रिच बनाने के लिए सुसज्जित किया जाना है।

शाला त्यागी बच्चों को पुनः विद्यालय की मुख्यधारा में जोड़ने हेतु प्रेरित किया जाएगा, यह कार्यवाही पूर्णतः वास्तविक एवं ईमानदार प्रयासों के साथ की जानी है। शिक्षकों से संबंधित लंबित प्रकरणों का निराकरण जिला एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा शाला प्रारंभ होने के पूर्व सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए आवश्यकता अनुसार जिला या विकासखंड स्तर पर शिविर आयोजित किए जा सकते हैं। शाला में अध्यापन की गुणवत्ता बनाए रखने हेतु कक्षा शिक्षक एवं विषय शिक्षक आगामी तीन माह के लिए अध्यापन संबंधी रोडमैप तैयार करेंगे तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। शाला प्रवेश उत्सव के लिए स्थानीय समुदाय, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, स्व-सहायता समूह, सेवानिवृत्त कर्मचारीगण एवं जनप्रतिनिधियों से सक्रिय सहयोग प्राप्त किया जाएगा। इच्छुक व्यक्तियों द्वारा बच्चों को स्लेट, पेंसिल, कॉपी, कंपास बॉक्स, स्कूल बैग आदि शैक्षिक सामग्री वितरित की जा सकती है। शाला प्रवेश उत्सव की सतत निगरानी एवं शैक्षणिक मार्गदर्शन हेतु संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मिशन समन्वयक, प्राचार्य डाइट, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी तथा विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों द्वारा शालाओं का निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान जिला, विकासखंड एवं संकुल स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति भी सुनिश्चित की जाएगी ताकि उत्सव पूर्णतः सफल और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो। प्रवेश उत्सव के दिन विद्यालय परिवार द्वारा जनप्रतिनिधियों, शाला विकास समिति, पालकों एवं स्थानीय गणमान्य नागरिकों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। पात्र हितग्राहियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों, गणवेश एवं साइकिल का वितरण किया जाएगा। नन्हे-मुन्ने नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर एवं अभिनंदन कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। इसके साथ ही प्रवेश उत्सव के दिन 'न्योता भोज' का भी आयोजन होगा।

विद्यालय परिवार द्वारा बोर्ड परीक्षा या स्थानीय परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा, साथ ही शिक्षण में सहयोग देने वाले उत्कृष्ट पालकों को भी सम्मानित कर प्रेरित किया जाएगा। यह सभी गतिविधियां शाला परिवार की ओर से छात्र हित में व्यक्तिगत रुचि लेकर संपन्न कराई जाएंगी, जिससे शिक्षा सत्र 2025-26 में जिले को उल्लेखनीय शैक्षिक उपलब्धियाँ प्राप्त हो सकेंगी। शाला प्रवेश उत्सव का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा। गांवों एवं शहरी वार्डों में मुनादी कराई जाएगी, रैलियां निकाली जाएंगी, बैनर-पोस्टर लगाए जाएंगे एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा पालकों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। शाला, संकुल, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर इस उत्सव को हर्षोल्लासपूर्वक मनाया जाएगा, ताकि सत्रारंभ से ही अध्ययन-अध्यापन के लिए उत्कृष्ट माहौल सृजित किया जा सके। इस हेतु जिला स्तर पर आवश्यक रूपरेखा तैयार कर सभी स्तरों पर पालन सुनिश्चित किया जाएगा। कक्षा पहली के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों से बच्चों की सूची प्राप्त कर समय पर प्रवेश की कार्यवाही की जाएगी तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति पंजिका पहले से ही संधारित कर ली जाएगी। उक्त समस्त कार्यवाहियों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षा सत्र की शुरुआत सकारात्मक, प्रेरक और पूर्ण उत्साह के साथ हो, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो सके और प्रत्येक बच्चा विद्यालय से जुड़कर समग्र विकास की ओर अग्रसर हो।

बीईओ मनेन्द्रगढ़ निलंबित, सुदर्शन पैकरा को सौंपा गया अतिरिक्त प्रभार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा आज जारी आदेश के अनुसार विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी मनेन्द्रगढ़ सुरेन्द्र प्रसाद जायसवाल को आयुक्त सरगुजा संभाग अंबिकापुर के निर्देशानुसार निलंबित कर दिया गया है। उक्त निलंबन के फलस्वरूप प्रशासनिक व्यवस्था को बनाए रखने हेतु भरतपुर के सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सुदर्शन पैकरा को मनेन्द्रगढ़ विकासखण्ड का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। यह दायित्व उन्हें आगामी आदेश तक अथवा नए विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी की नियमित पदस्थापना होने तक के लिए सौंपा गया है। जिला प्रशासन द्वारा जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।

बुंदेली की विशेष शिविर में विभिन्न विभागों की रही सक्रिय भागीदारी

बुंदेली में शासकीय योजनाओं के 100: क्रियान्वयन एवं सैचुरेशन हेतु विशेष शिविर आयोजित हुई संपन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के मनेंद्रगढ़ अनुविभाग के चिह्नांकित ग्राम बुंदेली में शासकीय योजनाओं के 100: क्रियान्वयन एवं पूर्ण सैचुरेशन के लक्ष्य को लेकर एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण शिविर का उद्देश्य था कि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ हर पात्र हितग्राही तक पहुँचे, ताकि किसी भी योजना से कोई भी पात्र नागरिक वंचित न रह जाए। शिविर में राजस्व विभाग, पंचायत विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि विभाग, समाज कल्याण विभाग, उद्यानिकी विभाग, श्रम विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग तथा आधार कार्ड संशोधन हेतु ष्टस्ट की टीमें उपस्थित रहीं। इन विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने मौके पर ही पात्र हितग्राहियों के साथ संवाद स्थापित कर योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया और पंजीयन से लेकर लाभ दिलाने की दिशा में तत्परता से कार्य किया। शिविर की प्रगति पर यदि नजर डालें तो आज के प्रमुख कार्यों में शामिल रहा कि दोपहर 3 बजे तक 54 आधार कार्ड में संशोधन एवं अपडेटेशन की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी थी। इसके अतिरिक्त कई नागरिक और भी संशोधन हेतु प्रतीक्षा में थे जिनका कार्य आगे जारी रहा। वहीं कुल 32 नए आयुष्मान कार्ड बनाए गए और साथ ही सिकल सेल स्क्रीनिंग का कार्य भी शिविर स्थल पर ही किया गया, जिससे संभावित सिकल सेल पीड़ितों की पहचान की जा सके और उन्हें समय पर चिकित्सा परामर्श मिल सके।

जाति प्रमाण पत्र हेतु 5 आवेदन शिविर में प्राप्त हुए, जिन्हें विभाग द्वारा प्रक्रिया में लिया गया है। साथ ही वन अधिकार पत्र जिनकी प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, उनके वितरण के लिए आगामी 15 दिवस का लक्ष्य तय किया गया है, ताकि पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध तरीके से अधिकार पत्र सौंपे जा सकें। पशुपालन विभाग को शिविर में कुल 23 आवेदन प्राप्त हुए, जो विभिन्न पशु-कल्याण, अनुदान तथा चिकित्सा सेवाओं से संबंधित थे। इन आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन विभागीय अमले द्वारा दिया गया। शिविर के समापन उपरांत सभी उपस्थित विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें उनके द्वारा की गई कार्यवाही की समीक्षा करते हुए यह निर्देश दिया गया कि आगामी 15 दिवसों के भीतर अपने-अपने विभागीय लक्ष्यों की पूर्णता सुनिश्चित करें। अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा गया कि शासन की मंशा है कि ग्राम बुंदेली को योजनाओं के पूर्ण सैचुरेशन की दिशा में आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया जाए। इस शिविर के संदर्भ में यह खेद का विषय रहा कि पीएचई विभाग, सीएसईबी, शिक्षा विभाग, वन विभाग एवं मत्स्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शिविर में अनुपस्थित रहे, जिससे संबंधित योजनाओं की समीक्षा और लाभ वितरण प्रभावित रहा। संबंधित विभागों को आगामी शिविरों में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस शिविर में नागरिकों की सहभागिता अत्यंत सराहनीय रही। बड़ी संख्या में ग्रामीणजनों ने शिविर में पहुंचकर अपने दस्तावेज अद्यतन करवाए, योजनाओं की जानकारी ली और विभिन्न हितग्राहीमूलक सेवाओं का लाभ उठाया। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन द्वारा आयोजित इस शिविर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मांग की कि ऐसे शिविरों का आयोजन नियमित रूप से किया जाए, जिससे अंतिम पंक्ति तक बैठे व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिल सके।

पुणे में इंद्रायणी नदी पर बना पुल टूटा

पुणे ,(एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले के मावल तहसील के कुंडमाला गांव के पास में रविवार को दोपहर 3ः30 बजे इंद्रायणी नदी पर बना पुल ढह गया। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों के मुताबिक 38 लोग लापता हैं। विधायक सुनील शेलके ने पहले दावा किया था कि हादसे में 6 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि सीएम देवेंद्र फडणवीस और पुणे जोन 2 के डीसीपी ने 2 लोगों की मौत की पुष्टि की है। एनडीआरएफ की टीमों ने 6 लोगों का रेस्क्यू किया है। बताया जा रहा है कि यह हादसा उस वक्त हुआ, जब कई लोग नदी के तेज बहाव को देखने के लिए खड़े थे। हादसे वाली जगह पुणे से 30 किमी दूर, वीकेंड मनाने पहुंचते हैं लोग पुणे से कुंडमाला की दूरी 30 किमी है। यह जगह मुंबई के रास्ते में एक्सप्रेसवे में एंट्री करने से पहले स्थित है। वीकेंड पर यहां हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं। पुल जर्जर था, क्षमता से ज्यादा लोग, गाड़ियों की आवाजाही भी थी शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह पुल पहले से ही बहुत खराब और जर्जर स्थिति में था। हादसे के समय पुल पर क्षमता से अधिक पर्यटक मौजूद थे। लोग टू-व्हीलर और मोटरसाइकिल ले जा रहे थे। इसी वजह से पुल भार सहन नहीं कर सका।

30 फीट की ऊंचाई से गिरी 10 साल की बच्ची

मनाली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मनाली का एक वीडियो वायरल है। इसमें जिपलाइनिंग कर रही 10 साल की बच्ची 30 फीट की ऊंचाई से जमीन पर जा गिरी। घटना में गंभीर घायल हुई बच्ची का नाम त्रिशा है। पहले त्रिशा को मनाली के अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से चंडीगढ़ रेफर किया, अब उसका नागपुर के निजी अस्पताल में इलाज जारी है। त्रिशा का परिवार महाराष्ट्र के नागपुर का रहने वाला है। त्रिशा अपने पिता प्रफुल्ल बिजवे अपनी मां के साथ हॉलिडे मनाने मनाली पहुंची थी। 8 जून को जब वो जिपलाइनिंग कर रही थी, तब हादसा हुआ। वीडियो सामने पहाड़ी पर मौजूद शख्स ने रिकॉर्ड किया। वीडियो में नजर आ रहा है कि त्रिशा वायर पर लटकी हुई आती है, जब वो 30 फीट की ऊंचाई पर होती है तभी उसका हुक, जिसके सहारे वो लटकी हुई थी, वो टूट जाता है। त्रिशा चीखती पर जमीन पर आ गिरती है। वीडियो बना रखा कहता सुनाई देता है- ओ... बच्ची गिर गई।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश की गुत्थी सुलझाएगा ब्लैक बॉक्स

अहमदाबाद(एजेंसी)। अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश 12 जून को क्रैश हुआ था। एक दिन बाद घटनास्थल बीजे मेडिकल हॉस्टल की छत से ब्लैक बॉक्स बरामद हुआ। इससे ब्लैक बॉक्स नाम को लेकर कई बातें कही जाती हैं। एक मान्यता है कि पहले इसके अंदर का हिस्सा काला होता था, इसलिए इसे यह नाम मिला। दूसरी राय यह है कि हादसे के बाद आग से जलकर इसका रंग काला हो जाता है, इसलिए लोग इसे ब्लैक बॉक्स कहने लगे।

मुयमंत्री उदयपुरा में प्रदेश के 375 स्वास्थ्य संस्थानों में 425 करोड़ रुपए लागत के विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण एवं भूमिपूजन

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर सुधार और विस्तार की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 16 जून को उदयपुरा रायसेन में प्रदेश के 375 स्वास्थ्य संस्थानों में 425 करोड़ रुपए लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। इसमें 267 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 108 कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। उक्त के अलावा मुख्यमंत्री डॉ. यादव उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र के 138 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण करेंगे। इनमें 89 करोड़ 36 लाख के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं 49 करोड़ 6 लाख रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इनमें 1 करोड़ रुपए तक की लागत से उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक सुविधाएं एवं संजीवनी क्लीनिक के 318 कार्य (218 लोकार्पण एवं 100 भूमिपूजन) शामिल हैं। 1 करोड़ रुपये से 5 करोड़ रुपये की लागत में कुल 38 कार्य हैं, जिनमें 33 लोकार्पण एवं 5 भूमिपूजन सम्मिलित हैं। इनमें 90 उप स्वास्थ्य केंद्र, 10 बी.पी.एच.यू., 118 संजीवनी क्लीनिक, 1 सिविल अस्पताल का उन्नयन, 27 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 2 आई.पी.एच.एल.

लेब, 1 सीएमएचओ कार्यालय, 1 पी.आई.सी.यू. तथा 1 डी.ई.आई.सी. के निर्माण कार्य सम्मिलित हैं। वहीं 5 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाले कुल 19 कार्यों में 16 कार्यों का लोकार्पण एवं 3 कार्यों का भूमिपूजन होगा। इनमें में 3 जिला अस्पतालों का उन्नयन, 7 सिविल अस्पतालों का उन्नयन, 6 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा 3 नए सिविल अस्पतालों का निर्माण प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वास्थ्य क्षेत्र में रायसेन ज़िले के 31 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे, जिसकी कुल लागत राशि लगभग 27.98 करोड़ रुपए है। इनमें 14 उप स्वास्थ्य केंद्र, 5 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 1 आई.पी.एच.एल. लैब एवं 1 डी.ई.आई.सी. का लोकार्पण और 10 उप स्वास्थ्य केंद्रों का भूमिपूजन शामिल है।

भारत ने ईरान में फंसे अपने नागरिकों को किया अलर्ट

नई दिल्ली। ईरान में रह रहे भारतीयों के लिए रविवार को जारी परामर्श में कहा गया है कि वे घबराएं नहीं, सावधानी बरतें और इजराइल द्वारा हमले के बाद देश में व्याप्त स्थिति के मद्देनजर तेहरान में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें। भारतीय दूतावास द्वारा जारी परामर्श में सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के व्यक्तियों से सतर्क रहने, सभी अनावश्यक गतिविधियों से बचने, दूतावास के सोशल मीडिया अकाउंट पर नजर रखने और स्थानीय अधिकारियों की ओर से दी गई सलाह के अनुसार सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने को कहा गया है।

अहमदाबाद प्लेन हादसा- विजय रूपाणी के शव की पहचान हुई

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी के शव की पहचान हो गई है। रविवार को उनका डीएनए मैच हो गया। परिवार के मुताबिक, राजकोट में सोमवार दोपहर 3 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा। 12 जून को हुए प्लेन क्रैश में मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंच गया है। अहमदाबाद सिविल अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि 230 परिवारों से अबतक संपर्क किया जा चुका है। आज सुबह तक 248 शवों के डीएनए सैंपल लिए गए। इनमें से 31 की शिनाख्त हो गई है, 22 शव परिजन को सौंपे गए हैं। उनके डेथ सर्टिफिकेट भी उपलब्ध कराए गए। एम्बुलेंस के जरिए सिक्योरिटी के साथ शवों को उनके गृहनगर पहुंचाया जा रहा है। इसके लिए 230 टीमें बनाई गई हैं, जो मृतकों के परिजनों के सीधे संपर्क में हैं। 192 एम्बुलेंस और वाहन स्टैंडबाय पर हैं। हादसे में जान गंवाने वाले विदेशी नागरिकों में से 11 के परिजन आज अहमदाबाद पहुंच सकते हैं। शवों को रखने के लिए 170 ताबूत बनाने का ऑर्डर दिया गया है। इनमें से करीब 100 ताबूत वडोदरा से अहमदाबाद लाए गए हैं।

भाजपा सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय की बिगड़ी तबीयत, निजी अस्पताल में कराया गया भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय को बेचैनी की शिकायत के बाद कोलकाता के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने रविवार को बताया कि उनकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बनी हुई है। पेट दर्द और उल्टी की शिकायत के बाद कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश गंगोपाध्याय (63) को शनिवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार को अस्पताल द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, जांच में उन्हें गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सेप्सिस के साथ पैंक्रिएटाइटिस होने का संकेत मिला है। फिलहाल वह आईसीयू में गहन

निगरानी में हैं और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। अस्पताल ने यह भी बताया कि उनकी स्थिति का समग्र और समन्वित प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए एक बहु-विषयक चिकित्सा बोर्ड का गठन किया गया है।

हर नागरिक को तीन साल के अंदर न्याय दिलाने की होगी व्यवस्था-शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि सरकार अगले पांच साल में ऐसी व्यवस्था बनाने जा रही है जिससे हर नागरिक को प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के अंदर न्याय मिल सके। शाह ने यह भी दावा किया कि 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। गृह मंत्री ने उत्तर प्रदेश पुलिस में 60,244 नवनियुक्त सिपाहियों को नियुक्ति पत्र वितरण के अवसर पर अपने संबोधन में कहा, ''भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, यह तीनों कानून.... मैं आज आप सबके सामने बोलकर जा रहा हूं कि पांच साल के अंदर देश में ऐसी व्यवस्था बन जाएगी कि कोई भी प्राथमिकी दर्ज हुई तो नागरिक को उच्चतम न्यायालय तक तीन साल के अंदर न्याय मिल जाएगा। उन्होंने कहा,''सीसीटीएनएस, आईसीजेएस और फॉरेंसिक साइंस की सारी सुविधाओं और तकनीक के आधार पर न्याय को आगे बढ़ाने की व्यवस्था करनी है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 साल के कार्यकाल में देश सुरक्षित हुआ है।

24 घंटे में कोरोना से 10 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में कोरोनावायरस के केसों और मौतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। बीते 24 घंटे में 10 लोगों ने जान गंवाई है। नए वैरिएंट से एक दिन में ये सबसे ज्यादा मौतें हैं। केरल में 5, दिल्ली में 3 और महाराष्ट्र में एक मरीज की मौत हुई है। जनवरी से अब तक कोरोना से 97 मरीजों की जान गई है। देश के 31 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एक्टिव केसों की संख्या 7383 पहुंच गई है। हालांकि रविवार को नया मामला दर्ज नहीं हुआ, जबकि 17 मरीज रिकवर हुए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 2007 केस हैं। इसके बाद गुजरात में 1441 और पश्चिम बंगाल में 747 एक्टिव मामले हैं। उत्तर प्रदेश- उत्तर प्रदेश सरकार ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए सावधानी बरतने का निर्देश जारी किया है। प्रमुख स्वास्थ्य अधिकारियों ने सभी अस्पतालों को जरूरी दवाएं, पीपीई किट, जांच सुविधाएं, आइसोलेशन बेड, ऑक्सीजन सिलेंडर, आईसीयू और वेंटिलेटर जैसी सुविधाओं को तैयार रखने को कहा है।

महाराष्ट्र- राज्य में शनिवार को कोरोना के 53 नए केस मिले। वहीं, 2 मरीजों की मौत हो गई। 1 जनवरी से अब तक 21067 कोविड-19 टेस्ट किए गए हैं। इस दौरान 1967 पॉजिटिव केस सामने आए।

केरल- स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को कोविड-19 और इन्फ्लूएंजा के लक्षणों वाले मरीजों का इलाज करते समय जून 2023 में जारी की गई कोविड गाइडलाइन पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

संविधान या आरक्षण नीतियों से कोई संबंध नहीं, तेजस्वी ने किया पिता लालू यादव का बचाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि उसके नेताओं का बीआर अंबेडकर, संविधान या आरक्षण नीतियों से कोई संबंध नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने अपने पिता और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का बचाव भी किया। दरअसल, तेजस्वी लालू प्रसाद यादव के हालिया जन्मदिन समारोह को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जहां भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया था कि राजद सुप्रीमो ने कार्यक्रम के दौरान अंबेडकर का अपमान किया। तेजस्वी ने कहा, इन लोगों का बाबा साहेब, संविधान और आरक्षण से कोई लेना-देना नहीं है। लालू यादव ने बिहार में बाबा साहेब अंबेडकर की कई मूर्तियां स्थापित की हैं।

हम अंबेडकर की विचारधारा को मानने वाले लोग हैं। भाजपा केवल झूठ फैलाती है।उन्होंने आगे कहा, लालू यादव 78 साल की उम्र में 10 घंटे काम करते हैं और लोगों से मिलते हैं। वह बीमार हैं, फिर भी वे उन पर इस तरह का आरोप लगाते हैं। बता दें कि लालू प्रसाद यादव को अपने 78वें जन्मदिन का केक तलवार से काटते हुए देखे जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया

केदारनाथ हेलीकॉप्टर हादसे पर ममता बनर्जी ने जताया दुख

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को उत्तराखंड में केदारनाथ मंदिर के पास हुए दुखद हेलीकॉप्टर हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। इस दुर्घटना में हेलीकॉप्टर में सवार सभी 7 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे का शिकार हुए हेलीकॉप्टर में पायलट, बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति का एक कर्मचारी और

पांच तीर्थयात्री सवार थे। यह दुर्घटना रविवार सुबह केदारनाथ-गौरीकुंड-गुप्तकाशी क्षेत्र में हुई।

मोदी साइप्रस पहुंचे, राष्ट्रपति निकोस ने एयरपोर्ट पर रिसीव किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साइप्रस पहुंच गए हैं। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट बिछाकर उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति निकोस पीएम मोदी का हाथ पकड़कर साथ चले। मोदी रविवार को 3 देशों की 4 दिन की यात्रा पर रवाना हुए। वे 15-16 जून को साइप्रस में रहेंगे। 16 और 17 जून को कनाडा में ज7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके बाद मोदी 18 जून को क्रोएशिया जाएंगे। 19 जून को भारत लौट आएंगे। इस दौरान वे 27 हजार 745 किमी का सफर तय करेंगे।

साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट बिछाकर नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। लिमासोल में होटल के बाहर पीएम मोदी से मुलाकात के बाद भारतीय समुदाय की महिला ने कहा, हम सभी उत्साहित हैं कि प्रधानमंत्री मोदी यहां आए हैं।

डेड बॉडी लेकर जा रही एम्बुलेंस की पिकअप से जोरदार टक्कर, 5 की दर्दनाक मौत

उत्तरप्रदेश (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में रविवार को अमेठी जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। यह हादसा पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हुआ, जहां एक तेज रफ्तार एम्बुलेंस और पिकअप गाड़ी की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में एम्बुलेंस में सवार 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, हादसा बाजारशुक्ल थाना क्षेत्र के अंतर्गत पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर माइल स्टोन संख्या 59.700 के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, एम्बुलेंस लखनऊ से एक शव को लेकर गाजीपुर की ओर जा रही थी।

उसी दौरान सामने से आ रही पिकअप गाड़ी से जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और यूपीडा की टीम मौके पर पहुंच गई।

आंध्र प्रदेश में नई शिक्षा योजना तल्लिकी वंदनम हुई लॉन्च, हर बच्चे को मिलेगी 15,000 की सालाना वित्तीय सहायता

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश में नवगठित टीडीपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने एक बेहद महत्वपूर्ण योजना %तल्लिकी वंदनम% की शुरुआत की है। इस योजना के तहत, राज्य के पात्र परिवारों को स्कूल जाने वाले हर बच्चे के लिए सालाना 15,000 रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी। यह योजना पहली कक्षा से लेकर इंटरमीडिएट तक के सभी छात्रों पर लागू होगी, और खास बात यह है कि परिवार में बच्चों की संख्या चाहे कितनी भी हो, हर बच्चे को यह लाभ मिलेगा। यह पहल मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के 2024 के विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए %सुपर सिक्स कल्याणकारी वादों का एक

अहम हिस्सा है। सरकार का लक्ष्य इस योजना के माध्यम से माताओं और अभिभावकों को सीधा वित्तीय सहयोग देकर उन्हें सशक्त बनाना है

ताकि वे अपने बच्चों की शिक्षा पर बेहतर ध्यान दे सकें। सरकार के सचिव कोना शशिधर ने इस योजना के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, सरकार ने तल्लिकी वंदनम योजना के क्रियान्वयन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह पूरे राज्य में माताओं/अभिभावकों को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल है। इसके तहत, प्रत्येक पात्र माता/अभिभावक को प्रति वर्ष, प्रति बच्चे 15,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। हालांकि, दी जाने वाली 15,000 रुपये की सहायता राशि में से 2,000 रुपये स्कूल के बुनियादी ढांचे, साफ-सफाई और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सीधे स्रोत पर ही काट लिए जाएंगे। यह सुनिश्चित करेगा कि स्कूलों में भी आवश्यक सुधार होते रहें। यह योजना आंध्र प्रदेश के लाखों परिवारों को लाभ पहुंचाने वाली है। उम्मीद है कि इससे 67 लाख से अधिक छात्रों और 43 लाख माताओं को सीधा फायदा मिलेगा।

केदारनाथ के पास हेलिकॉप्टर क्रैश, 7 की मौत

गौरीकुंड/रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। केदारनाथ के पास गौरीकुंड में रविवार सुबह करीब 5ः20 बजे हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इसमें पायलट समेत सभी 7 यात्रियों की मौत हो गई। मरने वालों में महाराष्ट्र का 2 साल का बच्चा भी शामिल है। हेलिकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ मंदिर से गौरीकुंड के लिए उड़ा था। प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि घाटी में बादल थे और विजिबिलिटी ठीक नहीं थी, फिर भी हेलीकॉप्टर उड़ाया गया। यह आर्यन एविएशन कंपनी का था। हादसे के बाद चार धाम यात्रा हेलिकॉप्टर सर्विस पर रोक लगा दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हेली सर्विस के संचालन को लेकर सख्त नियम बनाए जाएंगे। इसमें हेलिकॉप्टर की तकनीकी स्थिति की जांच और उड़ान से पूर्व मौसम की सटीक जानकारी लेना अनिवार्य होगा। इधर, जंगलचट्टी के पास खड्ड में मलबा और पत्थर गिरने

से श्री बाबा केदारनाथ धाम जाने वाला रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम जाने वाले रूट को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। पैदल मार्ग से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं, जिनमें सड़क क्षतिग्रस्त होने से पहले केदारनाथ धाम के लिए रवाना हो चुके श्रद्धालु भी शामिल हैं, उनकी प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर कोच मोर्कल ने जताया संतोष

लंदन, (एजेंसी)। भारत-इंग्लैंड के बीच 20 जून से प्रारंभ हो रहे पांच टेस्ट मुकाबले से पूर्व भारतीय खिलाड़ी ट्रेनिंग सेशन में जमकर पसीना बहा रहे हैं। ट्रेनिंग सेशन के दौरान टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर संतोष जताया है। गेंदबाजी कोच ने इस बात पर जोर दिया है कि अभ्यास के साथ-साथ मैदान पर निरंतरता इंग्लैंड में महत्वपूर्ण होगी। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर मोर्ने मोर्कल का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें मोर्कल ने कहा, अब तक के दो दिवसीय अभ्यास में, परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल थीं। यह बल्लेबाजों के लिए एक परीक्षा थी, जो एक तरह से उन्हें आने वाले समय के लिए तैयार होने में भी मदद करती है। मुझे नहीं लगता कि विकेट में उतनी जान होगी, जितना हमने यहां अनुभव किया है।उन्होंने आगे कहा, बल्ले और गेंद के बीच कशमकश काफी अच्छी रही है, लेकिन मुझे लगता है कि यह केवल इसलिए है क्योंकि विकेट में थोड़ी-सी जान है। जैसे ही विकेट सपाट हो जाता है, गेंदबाज पीछे हट जाते हैं। मैं उन्हें बताऊंगा कि केवल तब आक्रामकता दिखाएं, जब विकेट में बाउंस हो। जब विकेट सपाट हो, तब हमें अपना कैरेक्टर दिखाना होगा। गेंदबाजी कोच ने कहा, मुझे लगता है कि इंग्लैंड में निरंतरता महत्वपूर्ण है।

आईसीसी टूर्नामेंट में साल 2010 में इंग्लैंड से फाइनल में हारी ऑस्ट्रेलिया

मुंबई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स पर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। मैच में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की हार तय हैं। दरअसल, द. अफ्रीका जीत से महज 69 रन दूर है। इसके बाद अगर ऑस्ट्रेलिया को हार मिलती है, तब ये हार चैंपियन टीम के लिए यह काफी दर्दनाक होगी। ऑस्ट्रेलिया टीम को उनके बेमिसाल रिकॉर्ड्स और आईसीसी ट्रॉफी के लिए जाना जाता है। क्रिकेट के इतिहास में टीम ने अभी तक सर्वाधिक 10 आईसीसी ट्रॉफी जीती है। इसके बाद फैंस यह जानने को इच्छुक हैं कि आखिरी बार कब ऑस्ट्रेलिया फाइनल में हारा था। ऑस्ट्रेलिया ने बीते 10 सालों में 2 वनडे वर्ल्ड कप (2019, 2023)1 टी20 वर्ल्ड कप और 1 डबल्यूटीसी का खिताब जीता था। जब भी टीम फाइनल में पहुंची है, तब खिताब उठाने में कामयाब रही है। ऑस्ट्रेलिया को आईसीसी टूर्नामेंट में आखिरी बार फाइनल में हार का सामना 2010 में करना पड़ा था जब इंग्लैंड ने उन्हें हराकर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। इसके साथ स्टीव स्मिथ के करियर पर धब्बा भी लग सकता है। दरअसल, स्टीव 2010 टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे और वह लॉर्ड्स में जारी डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया के लिए खेल रहे हैं। अगर ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका से हारता है, तब स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के इतिहास के पहले खिलाड़ी बनने वाले हैं, जिनके नाम दो फाइनल हारने का शर्मनाक रिकॉर्ड होगा।

युवा तेज गेंदबाज मार्को ऑलराउंडरों में हो सकते हैं शुमार-पोंटिंग

नई दिल्ली , (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के युवा तेज गेंदबाज मार्को जेनसन भविष्य में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडरों में शुमार हो सकते हैं। यह मानना है ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और आईसीसी हॉल ऑफ फेमर रिकी पोंटिंग का। पोंटिंग ने कहा कि जेनसन के पास गेंद और बल्ले दोनों से कमाल करने की काबिलियत है और वे अपने करियर के शुरुआती दौर में ही प्रभावशाली प्रदर्शन कर रहे हैं। पोंटिंग ने जेनसन को नजदीक से तब देखा जब वे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोचिंग के दौरान उनके साथ जुड़े।

उन्होंने कहा कि जेनसन लंबी कद-काठी वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी तकनीकी क्षमता और मानसिक संतुलन उन्हें खास बनाते हैं। लॉर्ड्स में चल रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन जेनसन ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को बुरी तरह झकझोर दिया। उन्होंने 14 ओवर में 49 रन देकर तीन अहम विकेट झटके, जिनमें मार्नस लैबुशेन और ट्रैविस हेड जैसे बल्लेबाज शामिल थे। दूसरे दिन उंगली में चोट लगने के बावजूद जेनसन मैदान पर लौटे और एक बार फिर लाबुशेन को 22 रन पर आउट कर यह दिखा दिया कि उनमें खेल के प्रति जबरदस्त जज्बा है। पोंटिंग ने कहा कि वह बेहद शांत स्वभाव के हैं और मैदान पर उतरने के बाद उनमें एक मजबूत प्रतिस्पर्धा की भावना नजर आती है।

डब्ल्यूटीसी जीतने पर विजेता टीम को मिलेगा कितना इनाम? प्राइज मनी में हुई बढोत्तरी

नई दिल्ली , (एजेंसी)। इंग्लैंड के लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच मौजूदा समय में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। तीसरे दिन के खेल के बाद साउथ अफ्रीका मैच में काफी आगे नजर आ रही है लेकिन कई सालों से इस टीम के आगे चोकर्स का टैग लगा है। जिस कारण फैंस की सांसे थमी हुई हैं। साउथ अफ्रीका को जीत के लिए महज 69 रनों की जरूरत है। क्रीज पर शतकवीर एडेन मार्करम के साथ कप्तान टेंबा बावुा मौजूद हैं। वहीं गत चैंपियन को अगर अपने खिताब का बचाव करना है तो उन्हें जल्द से जल्द 8 विकेट निकालने होंगे। वहीं जो भी टीम डब्ल्यूटीसी जीतेगी तो उस पर करोड़ों के इनामी राशि की बारिश होगी। वहीं आईसीसी ने पिछले महीने ही डब्ल्यूटीसी 2025 की प्राइज मनी का ऐलान किया था। पिछले दो सीजन के मुकाबले इस

बार प्राइज मनी में दोगुना से भी ज्यादा का इजाफा किया गया है। 2021 में टेस्ट मेस जीतने वाली न्यूजीलैंड और 2023 का खिताब जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को 1.6 मिलियन डॉलर यानी 13-13 करोड़ रुपये की प्राइज मनी से नवाजा गया था। लेकिन इस बार के विजेता के लिए प्राइज मनी 3.6 मिलियन डॉलर रखी गई है जो लगभग 31 करोड़ रुपये है। वहीं हारने वाली टीम को 2.16 मिलियन डॉलर यानी की 18 करोड़ रुपये मिलेंगे। वहीं टीम इंडिया भले ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में नहीं पहुंच पाई हो लेकिन उस पर भी आईसीसी की तरफ से पैसों की बरसात होगी। तीसरे नंबर पर रहकर इस बार फाइनल चूकने पर भारत को 14.4 लाख डॉलर यानी करीब 12.32 करोड़ रुपये मिलेंगे। पिछले दो फाइनल में भारत हारकर रनर अप रहा था तब उसे 8-8 लाख डॉलर ही मिले थे।

मैंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया-प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि उन्होंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया है। चोट से उबरकर वापसी करने वाले प्रसिद्ध ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया और सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की। वे अब इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज को लेकर खुश हैं।

प्रसिद्ध ने कहा, आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि जब आपका मौका आए, तब आप उसके लिए तैयार रहें,

लेकिन आप वास्तव में लंबे समय तक ध्यान केंद्रित नहीं रख सकते हैं, खासकर जब आप बाहर बैठे हों, इसलिए आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप थोड़ा मौज-मस्ती करें। उन्होंने कहा,''जब आप जानते हैं कि आप स्थिति को भांप सकते हैं, तब आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आप विशेष परिस्थितियों में अपनी टीम की मदद करें। प्रसिद्ध ने कहा, मुझे लगता है कि हम सभी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि कब स्विच ऑन और कब स्विच ऑफ करना है। प्रसिद्ध ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले कुछ अभ्यास मैच खेलने से टीम को फायदा होगा। उन्होंने कहा,''हम सभी के लिए मैदान पर कुछ समय बिताना बेहद जरुरी है। गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की जबकि बल्लेबाजों ने भी जज्बा दिखाया। जब आप अपने आपस में ही मैच खेलते हैं, बहुत अच्छा लगता है।''

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से पहले प्रसिद्ध कृष्णा ने अपने बयान से मचाया तहलका

नई दिल्ली , (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में अपनी गेंदबाजी से तूफान मचाने वाले प्रसिद्ध कृष्णा मौजूदा समय में टीम इंडिया का हिस्सा हैं। इस दौरान वह इंग्लैंड दौरे पर हैं। जहां वो इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी अपनी गेंदबाजी से गर्दा उड़ाते हुए नजर आएंगे। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि उन्होंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया है और अब वह आईपीएल की अपनी बेहतरीन फॉर्म को इंग्लैंड दौरे पर भी जारी रखना चाहते हैं। चोट से उबरकर वापसी करने वाले प्रसिद्ध ने आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन किया और सबसे ज्यादा विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की। अब वह इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज को लेकर उत्साहित हैं। भारतीय टीम अभी यहां आपस में ही अभ्यास मैच खेल रही है। वहीं बीसीसीआई टीवी से प्रसिद्ध ने कहा कि, आपको ये सुनिश्चित करना होगा कि जब आपका मौका आए तो आप उसके लिए तैयार रहें लेकिन आप वास्तव में लंबे समय तक ध्यान केंद्रित नहीं रख सकते हैं, खासकर जब आप बाहर बैठे हों, इसलिए आपको ये सुनिश्चित करना होगा कि आप थोड़ा मौज-मस्ती भी करें। उन्होंने कहा कि, जब आप जानते हैं कि आप स्थिति को भांप सकते हैं, तो आप ये सुनिश्चित करते हैं कि आप विशेष परिस्थितियों में अपनी टीम की मदद करें। ये सुनिश्चित करें कि आप पूरी तरह से तैयार रहें, क्योंकि खेल में कुछ भी हो सकता है यही अपने आप में क्रिकेट की खूबसूरती है।

सौरव गांगुली की गिल को सलाह....बुमराह का इस्तेमाल विकेट टेकर के रुप में करे

नई दिल्ली , (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को बेहतर बनने के लिए भारतीय गुट को सलाह दी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास लेने के बाद शुभमन गिल के नेतृत्व में टीम नए दौर की शुरुआत करेगी। भारतीय टीम ने आगामी सीरीज के लिए तैयारी शुरू कर दी है। पूर्व कप्तान गांगुली ने कहा है कि गिल को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान बुमराह को बतौर विकेट टेकर इस्तेमाल करना चाहिए। गांगुली ने कहा, आपको देखना होगा और एक दिन में बुमराह से 12-13 ओवर से ज्यादा गेंदबाजी नहीं करने देनी है। गिल को बुमराह को इसतरह से इस्तेमाल करना चाहिए। मुझे लगता है कि चार तेज

गेंदबाज महत्वपूर्ण हैं। यहां, दूसरों को सिराज, अर्शदीप जैसे योद्धाओं की जरूरत होगी। नितीश या शार्दुल ठाकुर के बारे में निश्चित नहीं हूं। शायद वे बल्ले से कुछ रन बना सकें, लेकिन मुझे लगता है कि भारत को सात बल्लेबाजों का साथ देना चाहिए और विशेषज्ञ गेंदबाजों की जरूरत है, क्योंकि हमें टेस्ट मैच जीतने के लिए 20 विकेट चाहिए। 6 माह बाद लाल गेंद से मैच खेलने वाले बुमराह को कई स्पैल में गेंदबाजी करने और अपनी फिटनेस को परखने का मौका मिलेगा। भारतीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा के दौरान बताया था कि मेडिकल टीम से मिले परामर्श के अनुसार 31 वर्षीय बुमराह सभी पांच टेस्ट मैचों में नहीं खेलने वाले है। पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज का आगाज 20 जून को लीड्स में होगा। इंग्लैंड सीरीज के लिए भारत की टेस्ट टीम- शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उप-कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

बन्ना हॉप कैच को एमसीसी ने माना अवैध

नई दिल्ली , (एजेंसी)। क्रिकेट के नियम बनाने वाली संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब ने बन्नी हॉप यानी सीमा रेखा के बाहर कई बार हवा में उछकर कैच करने को अवैध माना है। इसे लेकर नए नियम इसी महीने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की प्लेइंग इलेवन और अगले साल अक्टूबर से एमसीसी के नियमों में शामिल कर लिया जाएगा। इस नए नियम के लागू होने के बाद बीबीएल 2023 के दौरान माइकल नेसर और 2020 में मैट रेनशॉ की मदद से टॉम बैंटन द्वारा लिए गए शानदार कैच वैध नहीं माने जाएंगे।

आईसीसी ने इस लेकर अपने सदस्य बोर्ड को एक नोट भेजा है, जिसमें कहा गया है कि वर्तमान नियमों के अनुसार कुछ बेहतरीन कैच देखने को मिले लेकिन इस नियम के कारण कुछ असामान्य देखने वाले कैच भी वैध माने गए, जो अधिकतर क्रिकेट प्रेमियों को भी अनुचित लगे। दरअसल, एमसीसी ने नेसर द्वारा लिए

गए कैच का जिक्र करते हुए कहा कि फील्डर ने बाउंड्री के अंदर कैच पूरा करने से पहले बन्नी हॉप किया। हालांकि, नियमों के अनुसार ये तब तक सही था लेकिन ऐसा लग रहा था कि फील्डर सीमा रेखा से काफी आगे निकल गया था। इन दोनों घटनाओं ने नई बहस को जन्म दिया, जिसके बाद आईसीसी और एमसीसी को अपने नियम 19.5.2 की समीक्षा करनी पड़ी।

एमसीसी ने अब साफ कर दिया है कि सीमा रेखा के पार से छलांग लगाने के बाद गेंद के साथ दूसरी बार संपर्क बनाने के लिए किसी भी क्षेत्ररक्षक को फील्ड ऑफ प्ले में आना होगा नहीं तो उसे बाउंड्री पार मान लिया जाएगा। नोट में कहा गया है कि एमसीसी ने इसे एक नया शब्द बन्नी हॉप दिया है जिसे अब अवैध माना जाएगा, लेकिन इस तरह के कैच में क्षेत्ररक्षक गेंद को सीमा रेखा के अंदर फेंकने के बाहर कदम रखता है और फिर सीमा रेखा के अंदर जाकर उसे कैच करता है तो इस तरह के कैच को वैध माना जाएगा। वहीं नए नियम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र की शुरुआत में ही लागू हो जाएंगे, जिसका पहला मैच 17 जून से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गॉल में खेला जाएगा। नियमों में बदलाव आधिकारिक तौर पर अक्टूबर 2026 से लागू होगा।

ऐतिहासिक जीत के बाद आया टेम्बा बावुमा का पहला रिएक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने 27 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी जीतकर इतिहास रचा है। टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली इस टीम ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस टीम ने उम्मीद इसलिए नहीं थी क्योंकि ये टीम बड़े मौकों पर कई बार चोकर्स साबित हुई और फिर इसका सामना आईसीसी फाइनल जीतने के लिए मशहूर ऑस्ट्रेलिया से था। लेकिन इतिहास बदल गया और ये हुआ बावुमा की कप्तानी में। अपनी कप्तानी में साउथ अफ्रीका को 27 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी दिलाने वाले बावुमा इस ऐतिहासिक जीत पर बेहद खुश हैं। इससे पहले साउथ अफ्रीका ने 1998 में आईसीसी नॉक आउट ट्रॉफी जीती थी जो अब चैंपियंस ट्रॉफी के नाम से जानी जाती है। इसके बाद अब साउथ अफ्रीका के हिस्से खिताब

आया है। इस मैच में बावुमा ने बताया कि वह इरादे के कितने पक्के हैं। तीसरे दिन मांसपेशियों में खिंचाव आने के बाद भी उन्होंने बैटिंग की और टीम की जीत की नींव रखी। बावुमा ने 66 रनों की पारी खेली। ये कुछ दिन काफी स्पेशल रहे। ऐसा लग रहा है कि साउथ अफ्रीका में हैं। हमने काफी मेहनत की। हम यहां काफी विश्वास के साथ आए थे। हम इस बात से खुश हैं कि जिस परिणाम को सोच कर आए थे वो मिला। हमारे लिए खास पल घर में साउथ अफ्रीका के लिए खास पल,काश महसूस कर रहा हूं। इसे पचाने में कुछ दिन लगेंगे। ऊर्जा हमारे अंदर थी, एक टीम के तौर पर हम ये चाह रहे थे। हमने बेहतरीन खेल दिखाया। हम धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे थे। हम काफी लंबे समय से कंधे पर जिम्मेदारी उठा रहे थे, उम्मीद है कि ये कई ट्रॉफियां जीतने की शुरुआत होगी। साथ ही बावुमा ने इस मैच में 9 विकेट लेने वाले कगिसो रबाडा और शतक जमाने वाले एडेन मार्करम की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि, रबाडा बड़े खिलाड़ी हैं। कुछ दिन पहले मैं आईसीसी हॉल ऑफ फेम में गया था और मुझे लगता है कि अगले कुछ सालों में वह इसमें शामिल हो जाएंगे। वह इस मैच में विवाद के बाद आए थे। एडेन शानदार हैं। लोगों ने टीम में उनकी जगह पर सवाल उठाए थे और देखिए उन्होंने क्या किया। वह और रबाडा ने अपना दम दिखाया है।

रीवा जोन आईजी और एसपी ने तड़के थानों का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जोन के आईजी गौरव राजपूत ने कॉम्बिंग गश्त के अंतर्गत रविवार तड़के कई थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान आईजी ने रीवा शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र के कई थानों में पहुँच कर काम्बिंग गश्त की व्यवस्थाएं देखी। इस दौरान उन्होने मेडिकल नशा और अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की कार्यवाही पर जोर दिया। निरीक्षण को लेकर जिले की पुलिस पूरी तरह से चौकन्नी रही, वहीं पुलिस अधीक्षक रीवा विवेक सिंह ने भी हाईवे सहित तराई क्षेत्र के थानों में आज तड़के पहुंचे और काम्बिंग गश्त का निरीक्षण किया।

इस दौरान सोहागी घाटी के हॉटस्पॉट पर भी पहुंचे और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने के निर्देश दिए।

मऊगंज में डीआईजी तथा पुलिस अधीक्षक ने रात में किया विभिन्न थानों का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मऊगंज जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों का रात में निरीक्षण कर रात्रिकालीन गस्त का जायजा लिया गया। डीआईजी राजेश सिंह चंदेल ने थाना मऊगंज तथा पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने हनुमना एवं शाहपुर थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रात्रिकालीन गस्त के संबंध में पुलिस अधिकारी को निर्देश दिये गये।

डीआईजी ने थाना प्रभारी को निर्देश देते हुए कहा कि रात्रिकालीन भ्रमण के दौरान सर्तकता से संदिग्ध स्थानों और वाहनों की जांच करें। असामाजिक तत्व, नशे का अवैध कारोबार करने वाले तथा अन्य आपराधियों पर कठोरता से कार्यवाही करें। निगरानी सुदा बदमाशों तथा आद्यतन आपराधियों पर कड़ी निगरानी रखें। डीआईजी ने डायल 100 के कर्मचारियों को भी क्षेत्र में भ्रमण के संबंध में निर्देश दिये। पुलिस के विभिन्न दलों द्वारा

14 जून की रात में गस्त के दौरान 24 फरार वारंटियों की गिरफ्तारी की गयी। निरीक्षण के समय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मऊगंज विक्रम सिंह परिहार डीआईजी के साथ रहे। भ्रमण के दौरान थाना नईगढ़ी और थाना लौर का भी निरीक्षण किया गया।

नारायण तालाब मुक्तिधाम से 25 साल पुराना अवैध कब्जा हटा

अंतिम संस्कार में आने वालों से वसूली करता था शख्स, सर्वसमाज ने 11 हजार की सहायता राशि दी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना शहर के नारायण तालाब स्थित मुक्तिधाम से रविवार को प्रशासन ने अवैध कब्जा हटा दिया। कार्रवाई एसडीएम सिटी राहुल सिलाड़िया के नेतृत्व में हुई। पुलिस और नगर निगम की अतिक्रमण शाखा भी मौके पर मौजूद रही।

करीब 25 साल पहले जनसहयोग से बनाए गए इस मुक्तिधाम में पहले चुनका के पिता रहा करते थे। उनकी मृत्यु के बाद चुनका परिवार समेत यहां रहने लगा था। वह अंतिम संस्कार में आने वाले लोगों से अवैध वसूली करता था। साथ ही उस पर नशे के अवैध धंधों से जुड़े होने के आरोप भी लगे हैं।

सिंधु विकास समिति को चुनका की गतिविधियों को लेकर कई शिकायतें मिली थीं। रविवार सुबह सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने कोलगवां थाने में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद एसडीएम ने मौके का निरीक्षण किया और अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया।

चुनका शुरुआत में कब्जा छोड़ने को तैयार नहीं था। उसने एसडीएम से कहा, "मैं यहीं पैदा हुआ, मेरी शादी भी यहीं हुई, मैं मुक्तिधाम छोड़कर नहीं जाऊंगा।" काफी समझाइश और बातचीत के बाद वह मुक्तिधाम खाली करने को राजी हुआ। प्रशासन ने करीब 5 घंटे चली कार्रवाई में कब्जा हटाया और मुक्तिधाम को अतिक्रमण मुक्त कराया।

सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने मानवीय आधार पर चुनका को मदद के रूप में 11 हजार रुपए की आर्थिक सहायता भी दी।

प्रशासन की इस कार्रवाई से अब अंतिम संस्कार के लिए आने वाले परिवारों को अवैध वसूली से राहत मिलेगी। यह मुक्तिधाम सिंधु समिति और स्थानीय जन सहयोग से 25 साल पहले बनाया गया था।

रीवा में आयोजित हुई भारत विकास परिषद की प्रांतीय कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बच्चों को संस्कारों से अवगत कराने, दिव्यागों एवं जरूरतमंदो तक सहायता पहुचना ही भारत विकास परिषद का उद्देश्य है। जिस पर खरा उतरने के लिए परिषद की एक प्रांतीय कार्यशाला रीवा में आयोजित की गई। जिसमें प्रदेश भर से शामिल हुए पदाधिकारियों को परिषद के मूल मंत्र से अवगत कराया गया है। तीन सत्रों में आयोजित हुई कार्यशाला को भारत विकास परिषद के प्रांताध्यक्ष डॉक्टर देवेन्द्र तिवारी, प्रांत सलाहकार वीपी सूरी, प्रांतीय महासचिव योगेश जैन, प्रांत वित्त सचिव आलोक खडियार, शाखा अध्यक्ष कमल सूरी, शाखा सचिव राजेन्द्र ताम्रकार ने संबोधित किया। इस दौरान पदाधिकारियों को आगामी एक वर्ष के काम-काज को लेकर रूपरेखा तय की। आइए जानते है पदाधिकारियों का क्या कहा।

रीवा में अवैध कॉलोनाइजर्स पर एफआईआर दर्ज, 14 नामजद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में अवैध कॉलोनी निर्माण करने वालों पर अब कानून का शिकंजा कसना शुरू हो गया है। नगर निगम रीवा के द्वारा 14 अवैध कॉलोनाइजर्स के खिलाफ सिटी कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज करा दी गई है। जिसके बाद कई अवैध कॉलोनाइजर्स अपनी-अपनी साइट को छोड़कर भूमिगत हो गए हैं। बतादें कि निगम द्वारा निरंतर ऐसे स्थानों को चिन्हित किया जा रहा है जहां कॉलोनी के नाम पर भू-माफियाओं द्वारा जमीनें बेची जा रही हैं। दरअसल रीवा जिले में कई वर्षों से लगातार अवैध बिल्डर्स एवं कॉलोनाइजर्स शहरी क्षेत्र की बेशकीमती जमीनों को अवैध रूप से बेचने का काम कर रहे हैं। रीवा

शहर के सिटी कोतवाली थाने में इन अवैध बिल्डर्स के खिलाफ नामजद 14 लोगों पर मामला दर्ज हुआ है। मामले की जानकारी देते हुए एसपी विवेक सिंह ने बताया है कि अवैध कॉलोनी विकासकर्ता एवं बिचौलियों के विरुद्ध नगर पालिका अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

सतना में महाराणा प्रताप तिराहे का नाम बदलने का विरोध

16 जून को राजपूत संगठन करेगा निगम के सामने प्रदर्शन, महापौर के फैसले पर नाराजगी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में नगर निगम की एमआईसी द्वारा एयरपोर्ट रोड तिराहे का नामकरण प्रस्ताव पास होने के बाद विवाद शुरू हो गया है। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के नाम से जाने जाने वाले हवाई पट्टी तिराहे का नाम बदलकर भगवान सहस्त्रबाहु करने का प्रस्ताव पारित किया गया है।

जिला रॉयल राजपूत संगठन ने इस फैसले का विरोध करने का निर्णय लिया है। संगठन 16 जून को सुबह 11 बजे नगर पालिका निगम में प्रदर्शन करेगा और ज्ञापन सौंपेगा। संगठन के जिलाध्यक्ष नीरज सिंह ने बताया कि पूर्व महापौर पुष्कर सिंह तोमर ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित कराई थी। तत्कालीन महापौर ममता पांडेय ने इस स्थान का नाम महाराणा प्रताप तिराहा रखा था।

नीरज सिंह ने यह भी बताया कि उतैली मोहल्ले में शिवाजी के नाम पर बनी सड़क का नाम भी वर्तमान महापौर द्वारा बदला जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के इस निर्णय का सभी समाज मिलकर विरोध करेंगे।

नल जल योजना के फिल्टर प्लांट में हेल्पर से कराया टेक्निकल काम, कटी उंगलियां

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के 184 गांवों में जलापूर्ति करने वाली केंद्र सरकार की नल-जल योजना के फिल्टर प्लांट में एक हेल्पर की उंगलियां कट गईं। एजेंसी संचालक ने पुलिस को सूचना दिए बिना घायल श्रमिक को एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया, जहां उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। घायल श्रमिक अनुराग तिवारी निवासी महसांव पुरास थाना गुढ़ 2023 से फिल्टर प्लांट में हेल्पर है। एजेंसी संचालक रणवीर सिंह ने उसे जबरन बेस्ट वॉटर व्हील का टायर बदलने के लिए भेजा। इस दौरान एक सहयोगी ने अचानक मोटर चालू कर दी, जिससे उसकी उंगलियां कट गईं। अनुराग ने एजेंसी संचालक पर कर्मचारियों से दुर्व्यवहार करने का आरोप भी लगाया है। साथ ही प्लांट में कोई सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराये जाने की बात कहा कि यहां वेतन भी पूरा नहीं दिया जाता, उसे कलेक्टर दर से अकुशल श्रमिक का 368.27 रुपए प्रतिदिन का मेहनताना मिलना चाहिए। लेकिन मात्र 8,000 रुपए नगद भुगतान, प्रतिमाह के हिसाब से दिया जाता है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौके पर मौत

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज जिले के लौर थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। [23] हादसे में उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक सुरेश साहू निवासी ग्राम निबुआ बीती शाम करीब 8 बजे ड्यूटी के बाद अपनी बाइक से गांव की ओर जा रहा था तभी लौर के समीप तेज रफ्तारकार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे सुरेश बाइक से उछलकर सड़क पर जा गिरा और उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है और वहीं मामले की जांच की जा रही है। हादसे के बाद वाहन चालक ,कार सहित फरार हो गया, जिसका अब तक पता नहीं चला है।

रीवा-मऊगंज में आकाशीय बिजली से दो लोगों की मौत, कई घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा और मऊगंज जिले में आंधी-तूफान के साथ हुई तेज बारिश के बीच गिरी आकाशीय बिजली से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जन भर से ज्यादा बकरियां भी इसकी चपेट में आ गईं। वहीं करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल लाया गया है। जानकारी के मुताबिक रायपुर कर्चुलियान थाना अंतर्गत ग्राम पहड़िया निवासी साहिल कुशवाहा, बारिश और आंधी तूफान से खेत में चर रहीं बकरियों को बचाने के कारण उन्हें लेने गया था, इसी दौरान वह खजूर के पेड़ के नीचे खड़ा हो गया, तभी अचानक गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। वहीं दूसरी ओर मऊगंज जिले में भी एक

गर्भवती महिला भी मौत आकाशीय बिजली की चपेट में आने से हो गई, इसके अलावा रीवा जिले के गुढ सहित मऊगंज जिले के अन्य स्थानों में करीब आधा दर्जन लोग गाज गिरने से घायल हुए हैं। सभी को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल लाया गया है।

मैहर में बिजली गिरने से एक की मौत, 4 घायल

मैहर में शनिवार शाम मौसम ने अचानक करवट ली, [ड्डस्रस्र] दोपहर तक चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं ने लोग परेशान कर रखा है, लेकिन शाम होते ही आसमान में काले बादल छा गए। तेज आंधी के साथ जोरदार बारिश हुई। अमरपाटन तहसील, ताला और मुकुंदपुर में तेज गरज के साथ मूसलाधार बारिश हुई। सोनवारी, चोपड़ा, मड़ई ग्राम में आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना में चार लोग घायल भी हुए,वहीं रविवार की सुबह से लोगों को फिर से उमस भरी गर्मी और तेज धूप का सामना करना पड़ा।

मैहर में महिला ने युवक को चप्पलों से पीटा, स्कूटी की चाबी छीनी

गाड़ी को टक्कर मारने पर भड़की

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर में एक महिला और युवक की स्कूटी की टक्कर के बाद महिला ने युवक को चप्पलों से पीट दिया। यह घटना अमरपाटन तहसील के सतना रोड तिराहे पर हुई।

रविवार शाम करीब 6 बजे दो महिलाएं स्कूटी पर जा रही थीं। इसी दौरान सामने से आ रहे एक युवक की स्कूटी से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहन चालक सड़क पर गिर पड़े।

गुस्साई महिला ने युवक को चप्पलों से पीटना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, महिला ने युवक की स्कूटी की चाबी भी छीन ली। इस घटना को देखने के लिए सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कुछ लोग मोबाइल से वीडियो बनाने लगे। यह पूरी घटना सड़क किनारे लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बाद में यह वीडियो सोशल मीडिया पर लोग पोस्ट कर रहे हैं।

जीएमएच रीवा में कथित गैंगरेप की घटना को लेकर उलझी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जीएमएच रीवा में किशोरी के साथ हुई कथित गैंगरेप की घटना को लेकर पुलिस उलझी हुई है। पुलिस की कार्यप्राणी पर भी सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में शनिवार को पीड़िता के बयानों की सच्चाई परखने के लिए सीन रिक्रिएशन' किया गया।

शुरुआत में पुलिस ने छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया था, लेकिन बाद में किशोरी ने अपने बयान में गैंगरेप का खुलासा किया। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने कहा कि किशोरी के पहले बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि चूंकि यह एक नाबालिग बच्ची के साथ हुई घटना है, इसलिए उनका पूरा प्रयास बच्ची को न्याय दिलाना है। एसपी ने चिंता जताई कि पीड़िता से बार-बार मीडिया के सामने बयान दिलवाए जा रहे हैं, जिससे उसका केस कमजोर हो सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि पीड़िता की स्लाइड जांच के लिए सागर भेजी गई है। पुलिस अधीक्षक ने आश्वस्त किया कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। वहीं इस मामले में राजनीति भी गरमा गई है। कांग्रेस नेताओं ने एसपी को ज्ञापन सौंपते हुए दोषियों पर तत्काल कार्यवाही की मांग की है। वहीं आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रमोद शर्मा ने एसपी और संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

रीवा में अग्रवाल समाज ने किया समर पैराडाइज कैंप का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अग्रवाल नवयुवक मंडल रीवा द्वारा एक 7 दिवसीय समर पैराडाइज कैंप का आयोजन किया गया। अग्रवाल समाज भवन में 9 जून को कैंप का शुभारंभ हुआ और समापन 15 जून को किया गया। कोषाध्यक्ष मोहित अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कराईं गई जिसमें समाज के युवाओं, बच्चों व महिलाओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभागिता निभाई। कैंप में इनडोर व आउटडोर गतिविधियों में बास्केट बॉल, फुटबॉल जैसे स्वास्थ्य वर्धक खेलों सहित,गीत-संगीत, नृत्य, पाक व सौंदर्य कला सहित चित्रकला का प्रशिक्षण व प्रतियोगिताएं कराईं गई। जिसमें दो सैकड़ा से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को निखारना और महिलाओं में छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना रहा। कैंप के समापन पर प्रतिभागियों और प्रशिक्षकों को पुरस्कृत करते हुए सम्मानित किया गया। जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेताओं को मेडल व प्रमाण पत्र दिया गया, जबकि प्रशिक्षकों को स्मृति चिन्ह एवं मेडल से सम्मानित किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार व प्रमाण पत्र दिए गए।

सतना में करेंट लगने से बुजुर्ग महिला की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सतना में रविवार सुबह नंदहा गांव में एक [ड्डस्रस्र] वृद्ध महिला की करंट लगने से मौत हो गई। वार्ड 5 की रहने वाली 65 साल की जुगीबाई पटेल सुबह 6 बजे शौच के लिए निकली थीं तभी हादसे का शिकार हो गईं। दरअसल शनिवार की शाम आए तेज अंधड़ से क्षेत्र में कई जगह बिजली के पोल और तारें टूट गई थीं, जुगीबाई 11 केवी की टूटी हुई तार की चपेट में आ गईं। करंट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पोड़ी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बिजली कंपनी के अधिकारियों को जानकारी दी। और तुरंत बिजली बंद करा दी गई। घटना से गांव में शोक का माहौल तो है ही, ग्रामीणों में बिजली विभाग की इस लापरवाही को लेकर आक्रोश भी है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।